CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 103 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 06 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

सीएम भजनलाल कर रहे गरीबों को निहाल, पौने तीन लाख परिवारों को देंगे 'घर'

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्य सरकार की गरीबी मुक्त गांव बनाने की मुहिम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों से बड़ी सफलता मिली है। 6 साल से भी अधिक समय से अपने पक्के घर का इंतजार कर रहे परिवारों का सपना अब साकार होने जा रहा है। वर्ष 2018 के आवास प्लस सर्वे में शामिल प्रदेश के 2 लाख 73 हजार 752 परिवारों को शीघ्र ही पक्के आवासों की सौगात मिलेगी।

मुख्यमंत्री का सपना 'गरीबी मुक्त राजस्थान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में गरीबी मुक्त गांव बनाने पर जोर दिया जा रहा है, इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में नवाचार किया जा रहा है। प्रदेश में गरीबी मुक्त गांव बनाने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है और पहले चरण में पांच हजार गांवों का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत चिन्हित गांवों के सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि इन गांवों के बीपीएल परिवारों को सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसके लिए इन गांवों में विभिन्न विकास योजनाएं, स्वरोजगार के अवसर, कौशल विकास कार्यक्रम और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार बनने के बाद से ही केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय से समन्वय बनाकर लगातार प्रदेश के गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने दिल्ली जाकर केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित अन्य योजनाओं का अधिकाधिक लाभ प्रदेश को दिलवाने के संबंध में सार्थक चर्चा की थी। इस पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के अंतर्गत राजस्थान को 2 लाख 73 हजार 752 घरों का लक्ष्य आवंटित कर दिया है। इस तरह राज्य सरकार के प्रयासों से वर्ष 2018 के आवास प्लस सर्वेक्षण की सूची में अब कोई भी प्रतीक्षारत परिवार शेष नहीं रहेगा। इससे पहले राजस्थान में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत लगभग 22 लाख 23 हजार आवास बनाने के लक्ष्य का आवंटन किया गया था, जिनमें से करीब 20 लाख आवासों का काम लगभग पूरा हो चुका है। प्रदेश के ग्रामीण विकास विभाग ने भी जिला कलक्टर्स को पत्र लिखकर सभी पात्र परिवारों को स्वीकृति मय प्रथम किश्त जारी करने के निर्देश दे दिए हैं। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 'सभी के लिए आवास' के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना का लक्ष्य बुनियादी सुविधायुक्त पक्के घरों के निर्माण के लिए बेघर और जीर्ण-क्षीर्ण मकानों में रहने वाले पात्र ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत प्रदेश में मकानों के निर्माण के लिए पात्र परिवारों को 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। लाभार्थियों के खातों में राशि का प्रत्यक्ष लाभ अंतरण किया जाता है। इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के अंतर्गत आवास में शौचालय के लिए 12 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। साथ ही, मनरेगा में 90 श्रम दिवस का पारिश्रमिक भी देय है।

मुख्यमंत्री भजनलाल घण्टों खड़े रहकर सुन रहे आमजन की समस्याएं

सीएम की जनसुनवाई का असरः ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित रमनलाल का होगा शीघ्र इलाज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संवेदनशील, जवाबदेही और पारदर्शी शासन देने के लिए भरसक प्रयास कर रहे है। उनकी सोच और सही नीयत का आमजन को लाभ मिल रहा है। आमजन की परेशानी को दूर करने के लिए अब वह स्वयं सीएम हाउस में नियमित रूप से जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुन रहे हैं और उनके तुरंत समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की प्रत्येक समस्या को सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए प्रत्येक फरियादी को उसकी समस्या के निस्तारण के लिए चल रही प्रक्रिया के बारे में नियमित रूप से अवगत कराया जाए। जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो और आमजन को राहत मिले। मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा व ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित रमनलाल की समस्या का मौके पर ही समाधान किया। पीड़ित रमनलाल ने इलाज में आ रही समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल प्रशासन की ओर से इनका शीघ्र इलाज सुनिश्चित किया जाए। अपनी समस्या के त्वरित निस्तारण से रमनलाल ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आएंगे भारत

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सालाना उच्च स्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए भारत आने वाले हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। सोमवार को दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। क्रेमलिन की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि नेताओं ने आतंकवाद के किसी भी स्वरूप के खिलाफ बिना किसी समझौते के लड़ाई की जरूरत पर जोर दिया। भारतीय नेता ने रूसी राष्ट्रपति को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। निमंत्रण को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया गया। बयान में कहा गया कि उन्होंने रूसी- भारतीय संबंधों की रणनीतिक प्रकृति पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ये संबंध बाहरी प्रभाव से प्रभावित नहीं हैं और सभी दिशाओं में गतिशील रूप से विकसित होते रहेंगे। पुतिन ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। इससे पहले आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पुतिन ने मोदी से यह भी कहा कि रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का पूरा समर्थन करता है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की और भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूर्ण समर्थन देने की बात कही। प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने (पुतिन) इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। जायसवाल ने कहा कि मोदी तथा पुतिन ने 'भारत-रूस विशेष व विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने रूस के 'विक्टरी डे' की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर रूसी राष्ट्रपति को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री का गुजरात दौरा

प्रवासी राजस्थानी आपणो अग्रणी राजस्थान' की संकल्प सिद्धि में निभाएं अपनी भूमिका : भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें। शर्मा ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज की ओर से आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया, इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने और भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं और हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है और हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

गुजरात तथा राजस्थान एक सिक्के के दो पहलू

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि गुजरात और राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

पाकिस्तान पर हमला तय! भारत के सभी राज्यों में कल होगा सुरक्षा मॉक ड्रिल

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)।। भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद काफी तनाव है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई एक्शन लिए हैं। भारत के कड़े एक्शन से पाकिस्तान बौखला उठा है। इस बीच गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों के एक अहम निर्देश दिया है। दरअसल, समाचार एजेंसी ने भारत सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया कि गृह मंत्रालय ने कई राज्यों से 7 मई को प्रभावी नागरिक सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल करने को कहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 7 मई को देश के सभी राज्यों को एयर रेड सायरन संबंधित मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिए हैं। राज्यों को हवाई हमले पर अलर्ट करने वाले सायरन लगाने के निर्देश भी दिए गए। सिविल डिफेंस, छात्रों और नागरिकों को एयर रेड सायरन की स्थिति में बचाव संबंधित ट्रेनिंग देने के निर्देश दिए गए हैं। किसी तरह के हवाई हमले की स्थित में ये सायरन बजने लगते हैं ताकि लोग आसपास किसी सुरक्षित जगहों पर छुप सकें।

मॉक ड्रिल के दौरान निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे

1. हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन का संचालन
2. शत्रुतापूर्ण हमले की स्थिति में खुद को बचाने के लिए नागरिक सुरक्षा पहलुओं पर नागरिकों, छात्रों आदि को प्रशिक्षण।
3. क्रैश ब्लैक आउट उपायों का प्रावधान
4. महत्वपूर्ण संयंत्रों/स्थापनाओं को समय से पहले छिपाने का प्रावधान
5. निकासी योजना का अद्यतनीकरण और उसका पूर्वाभ्यास

बता दें कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति की तैयारी योजना की समीक्षा करना। इसके अलावा किसी भी स्थान पर मानक संचालन प्रोटोकॉल का मूल्यांकन करना। मॉक ड्रिल के दौरान सभी लोगों को किसी भी इमरजेंसी स्थिति के दौरान एक्शन के लिए तैयार किया जाता है। मॉक ड्रिल के दौरान उस आपात स्थिति के बारे में लोगों को बताया भी जाता है।

मॉक ड्रिल एक प्रकार का ऐसा प्रोसेस है जो आपदा के आने पर कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए यह बताता है। इस दौरान संभावति गलतियों ओर जोखिमों की पहचान भी की जाती है। विभिन्न आपदा नियंत्रण विभागों के बीच समन्वय में सुधार भी होता है। इस दौरान दिखाया जाता है कि कैसे किसी आपात स्थिति में किसी ऊंची इमारत में फंसे लोगों को निकाला जा सकता है।

यह आपदाओं का तुरंत जवाब देने की क्षमता को भी बढ़ाता है।

CMYK

नगर विकास न्यास एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने की अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में नगर विकास न्यास एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार को शहर के प्रमुख मार्गों व चौराहों के सडक भाग में किए गए अस्थाई अतिक्रमण को मौके पर ही हटाने की कार्रवाई की गई एवं आमजन से पुन अतिक्रमण नहीं करने के लिए समझाइश की गई। नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक अधिकारी ने बताया कि टीम द्वारा नंगली सर्किल से बिजलीघर चौराहा होते हुए भगतसिंह चौराहा, भगतसिंह से अम्बेडकर चौराहा एवं काशीराम चौराहे पर स्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान न्यास के कठिष्ठ अभियन्ता एवं नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ता मौजूद रहा।

ये कैसी भेदभाव वाली कार्रवाई है

शहर में अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया लेकिन जहां सामने खुलकर अस्थायी व स्थायी अतिक्रमण है वहां के हालात ना तो नगर विकास न्यास के अधिकारियों को दिखाई दिया ओर ना नगर निगम अधिकारियों को। बस वहीं घूमफिर कर हर रोज कमाकर खाने वालों के सुबह व शाम का निवाला छीन लिया गया। हालांकि इन अस्थायी अतिक्रमण को हटाना चाहिए लेकिन इससे पहले शहर के प्रमुख बाजार में जहां स्थायी दुकानदारों ने जो बाजारों के हाल अतिक्रमण कर बना दिए वह किसी को दिखाई नहीं दिया। जहां लाखों की कमाई करने वाले दुकानदारों ने जहां अपनी दुकानों के आगे ओर दुकानें सजा ली ओर वह भी सरकारी पटरियों पर जहां दुपहिया वाहन खड़े करने की जगह होती है ओर पैदल चलने की जगह होती है। वहीं दुकान के आगे अस्थायी अन्य लोगों को जगह देकर किराये चला रखी है ये सब दिखाई नहीं दिया। बस एक आदेश जिला कलक्टर का मिला तो कर दी वहीं घिसीपिटी कार्रवाई। देखना ये है कि क्या ये कार्रवाई सही है या वहां अधिक जरूरत है जहां पूरा मुख्य बाजार में अस्थायी व स्थायी अतिक्रमण के चलते घंटो घंटो जाम लगा रहता है। आखिर उक्त कार्यवाही देखकर लोगों का कहना था कि ये कैसी भेदभाव वाली कार्यवाही है।

जिला कलक्टर के निर्देश पर सामान्य चिकित्सालय में लगाए गए छायादार ग्रीनशेड पर्दे

ग्रीन पर्दे लगने से मरीजों को हीटवेव से मिलेगी राहत, ट्रोमा सेंटर से सेंट्रल लैब तक होगा स्थाई टीन शेड निर्माण कार्य

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चौहान ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला द्वारा विगत दिनों किए गए राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय एवं शिशु चिकित्सालय के औचक निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों की अनुपालना में महिला चिकित्सालय एवं शिशु चिकित्सालय में मरीजों एवं आमजन को हीटवेव से बचाव छायादार ग्रीन शेड (ग्रीन पर्दे) लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य चिकित्सालय में दो दिन में छायादार ग्रीन ग्रीन पर्दे लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि छायादार परदे लगने से मरीजों को गर्मी से बचाव हेतु काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि ट्रोम सेंटर से सेंट्रल लैब तक स्थाई टीनशेड लगाने हेतु नगर विकास न्यास से समन्वय किया गया तथा नगर विकास न्यास की टीम द्वारा टीनशेड लगाने हेतु मापतोल व पैमाइश कार्य किया जा चुका है। यथाशीघ्र टीनशेड लगाए जाने का कार्य प्रारम्भ होगा।

पार्टी के नेताओं ने की है मेरे खिलाफ साजिश, केंद्रीय नेताओं को भेजेंगे पत्र -ज्ञानदेव आहूजा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राम मंदिर में गंगाजल छिड़काव के मामले पर भाजपा के पूर्व नेता ज्ञानदेव आहूजा मीडिया के सामने आए और खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि मुझे मेरी ही पार्टियों के नेताओं ने साजिश करके पार्टी से निकाला है। मैं पहले भी भाजपा का नेता था आज भी हूं और हमेशा रहूंगा। कांग्रेस ने मेरे कदम को गलत दिशा में मोडा है, मैं कांग्रेसियों के खिलाफ था ना कि दलितों के खिलाफ। कांग्रेसी नेताओं को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं का मैंने हमेशा साथ दिया। जिनके लिए कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव प्रचार किया, जनता से लड़ाई लड़ी, आज उन्ही लोगों ने मेरा साथ नहीं दिया। उल्टा मुझसे किनारा कर लिया। उन्होंने ऐसे नेताओं को सबक सिखाने की बात कहते हुए कहा कि वो जल्द ही केंद्रीय नेताओं को पत्र लिखेंगे। इस संबंध में राष्ट्रीय नेताओं से मिलने का समय मांग रहे हैं और उसके बाद प्रदेश के नेताओं के कारनामे जनता के सामने रखूंगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वन राज्यमंत्री संजय शर्मा का नाम लेते हुए कहा उन लोगों ने मेरा साथ नहीं दिया।

सांसद संपर्क संवाद यात्रा' कार्यक्रम 9 व 10 मई को

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव द्वारा 9 व 10 मई को संसदीय क्षेत्र अलवर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 'सांसद संपर्क संवाद यात्रा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री द्वारा बजट घोषणाओं, मु यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं, केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना तथा अन्य मुद्दों के संबंध में आमजन से संवाद कर उनकी समस्याओं का निस्तारण करेंगे। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रमनुसार 9 मई को राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा में प्रात 7.30 बजे से ग्राम पंचायत ढिगावडा के परिसर में ग्राम पंचायत ढिगावडा, पलवा, भजेडा, अलेई व फिरोजपुर जागीर के लिए कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके पश्चात प्रात 9 बजे से ग्राम पंचायत पाटन के परिसर में ग्राम पंचायत बिलेटा, छिलोडी, पाटन व छोटा राजगढ के लिए सांसद संपर्क संवाद यात्रा कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी प्रकार 10 मई को किशनगढ़बास विधानसभा में प्रात 7.30 बजे से ग्राम पंचायत माँचा के परिसर में ग्राम पंचायत माहोंद, माँचा, तरवाला व चमरोदा के लिए कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके पश्चात प्रात 9 बजे से ग्राम पंचायत बिलाहेडी के परिसर मेंग्राम पंचायत बघाना, बिलाहेडी, कान्हडका व जकोपुर के लिए सांसद संपर्क संवाद यात्रा कार्यक्रम आयोजित होगा।

जाट कर्मचारी वेलफेयर सोसायटी की वर्चुअल बैठक आयोजित

कोटपूतली (निसं.)। जाट कर्मचारी वेलफेयर सोसायटी जिला शाखा कोटपूतली-बहरोड़ की वर्चुअल बैठक सोमवार को प्रदेशाध्यक्ष हरपाल दादरवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विकास, अभी तक किये गये कार्यों पर चर्चा एवं आगामी कार्यों को लेकर कार्य योजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा विभिन्न सुझाव भी रखे गये। साथ ही गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिये परिन्डे लगाने का निर्णय लिया गया। प्रदेशाध्यक्ष हरपाल दादरवाल ने प्रस्ताव रखा की सोसायटी के सदस्य अपने-अपने जिलों में परिंडों की व्यवस्था करें। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

जिला सैनी महासभा द्वारा एडीएम (शहर) को सोपा गया ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला सैनी महासभा द्वारा माननीय राज्यपाल, मध्यप्रदेश सरकार के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) अलवर को अलवर जिला सैनी महासभा अध्यक्ष अनिल सैनी गब्बर के नेतृत्व में समाज की विभिन्न संस्थाओं ने सामूहिक ज्ञापन सौपा। सैनी यूवा महासभा संस्थान अलवर अध्यक्ष डॉ.संदीप सैनी ने बताया कि मध्यप्रदेश के दबोह नगर के बाइपास पर स्थापित दलितों के अग्रदूत, नारी शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा राव फूले की मूर्ति को दिनांक 02 मई 2025 शुक्रवार की रात कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर मूर्ति को तोड़ने का प्रयास किया गया। इस प्रकार की घटना से अलवर जिला सैनी समाज में भारी रोष है। ज्ञापन के माध्यम से माननीय राज्यपाल, मध्यप्रदेश सरकार से अलवर जिला सैनी महासभा में मांग करता है कि इस प्रकार की घटना करने वाले असामाजिक तत्वों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्यवाही कर जल्द से जल्द महात्मा ज्योतिराव फूले की मूर्ति को पुनः स्थापित कराई जाये ताकि सामाजिक सौहार्द बना रहे। ज्ञापन देने वालो में अलवर जिला सैनी महासभा अध्यक्ष अनिल सैनी, अलवर जिला सैनी युवा महासभा अध्यक्ष डॉ संदीप सैनी, मुकेश टेलर, कमल सैनी, मास्टर बाबूलाल सैनी, सैनी समाज विद्यार्थी उन्न्त शिक्षण संस्थान अध्यक्ष विकास बबेरवाल, मास्टर अशोक सैनी, जम्मनलाल सैनी, लवनीश सैनी, फूलचंद सैनी, हुकमाराम सैनी, रवि सैनी, सूरज सैनी, कैलाश सैनी, मनमोहन सैनी, तेजपाल सैनी, तथा समाज के गणमान्य लोग शामिल रहे।

गिव अप अभियान के तहत 31 मई तक अपात्र व्यक्ति हटवा सकते हैं खाद्य सुरक्षा योजना से नाम

अलवर(निसं.)।। गिव अप अभियान के तहत अपात्र खाद्य सुरक्षा लाभार्थी स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से 31 मई तक अपना नाम हटवा सकते हैं। जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि विभाग द्वारा गिव अप अभियान के तहत नाम हटाने की प्रक्रिया का सरलीकरण कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान में खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित ऐसे लाभार्थी जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं जैसे आयकरदाता, 1 लाख रूपये से अधिक वार्षिक आय, चौपहिया वाहन धारक स्वेच्छा से अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकानदार/जिला रसद अधिकारी कार्यालय अलवर में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र भरकर अपना नाम हटवा सकते हैं। प्रपत्र जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों पर उपलब्ध है। अब कोई भी अपात्र व्यक्ति खाद्य विभाग राजस्थान के पोर्टल पर उपलब्ध लिंक 'गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से स्वत हटने के लिए आवेदन करें' पर आवेदन कर अपना नाम स्वयं खाद्य सुरक्षा सूची से हटा सकते हैं। उन्होंने नाम नहीं हटवाने वाले अपात्र व्यक्तियों की सूचना के आधार पर उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर वसूली की कार्यवाही तथा दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी एवं योजना के प्रारंभ से ही प्राप्त किए गए कुल गेहूं की बाजार दर से वसूली की जाएगी।

खेल अकादमी से डॉ. रामधन सिंह का नाम हटाने के प्रयास पर सर्व समाज में आक्रोश

जोबनेर में छात्र-ग्रामीणों का विरोध, व्यापक मंडल ने लिया ज्ञापन वापस

जयपुर टाइम्स

जोबनेर(निसं.) श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर स्थित खेल स्टेडियम से प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक राव बहादुर डॉ. रामधन सिंह का नाम हटाने के प्रयासों के खिलाफ सर्व समाज में गहरा आक्रोश फैल गया है। यह नाम पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा लोकार्पित किया गया था और विश्वविद्यालय की बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से पारित हुआ था। कुलपति डॉ. बलराज सिंह को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों, छात्र नेताओं और विश्वविद्यालय स्टाफ ने साफ कहा कि स्टेडियम का नाम डॉ. सिंह के नाम से ही रहेगा और किसी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में 30 से अधिक सरपंच, पंचायत समिति अध्यक्ष, छात्र प्रतिनिधि और पूर्व नगरपालिका चेयरमैन शामिल थे। डॉ. रामधन सिंह को भारत में हरित क्रांति के अग्रदूतों में गिना जाता है। गेहूं की किस्म ष्ट-306 और बासमती-370 जैसी किस्मों के विकास से करोड़ों लोगों को भूखमरी से बचाने में उनका अहम योगदान रहा। नोबेल विजेता डॉ. नॉर्मन बोरलॉग ने भी उनके योगदान को नमन करते हुए भारत में उनके चरण स्पर्श किए थे। पिछले सप्ताह कुछ समूहों द्वारा नाम परिवर्तन की माँग के बाद विवाद गहराया। हालांकि, व्यापक मंडल के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए पूर्व में दिया गया ज्ञापन वापस ले लिया है और नए ज्ञापन में स्टेडियम का नाम डॉ. रामधन सिंह के नाम पर रखने की माँग की है। इस पूरे मामले को कुछ लोग षड्यंत्र करार दे रहे हैं। विश्वविद्यालय ने हाल ही में 7 बीघा अवैध भूमि पर कब्जा मुक्त कराया है, जिससे जुड़े कुछ लोगों पर षड्यंत्र रचने का संदेह जताया गया है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि नाम परिवर्तन की कोई कार्रवाई हुई तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध करेंगे। उनका कहना है, "हम मिट जाएंगे लेकिन यह अन्याय नहीं होने देंगे।" यह प्रकरण न केवल एक वैज्ञानिक के सम्मान से जुड़ा है, बल्कि स्थानीय समाज की अस्मिता और भावनाओं से भी।

स्कूलों में अब पानी के लिए बजेगी 'वाटर बेल'

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, जागरूकता व नियमित जल सेवन की आदत को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिले समस्त सरकारी एवं निजी विद्यालयों में 'वाटर बेल' कार्यक्रम लागू करने का आदेश जारी किया है। रोटरी क्लब आध्या की पहल पर जिले के विद्यालयों में यह कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। यह पहल विद्यार्थियों में हाइड्रेशन की महत्ता स्थापित करने तथा स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को कम करने के उद्देश्य से की जा रही है। जिला कलेक्टर की ओर से जारी आदेशानुसार समस्त विद्यालयों में प्रतिदिन दो बार तीसरे व छठे पीरियड के दौरान विशेष वाटर बेल बजाई जाएगी। यह बेल सामान्य बेल से भिन्न होगी, जिससे इसकी पहचान विशेष रूप से की जा सकेगी। वाटर बेल बजते ही शिक्षक विद्यार्थियों को जल सेवन के लिए प्रेरित करेंगे। इस पहल की नियमित रूप से पालन हो, विद्यालय प्रबंधन की ओर से इसके लिए हिदायत गई है। इस कार्यक्रम की पालना की मासिक रिपोर्ट संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी को भिजवाई जाएगी।? यह आदेश सामाजिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रयासों के अंतर्गत पारित किए गए है। आदेशानुसार कार्यक्रम को विद्यालयों में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त कनिष्ठ सहायकों की कंप्यूटर टंकण गति परीक्षा 18 मई को

बीकानेर(निस)। मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रित के रूप में अनुकम्पात्मक नियुक्ति प्राप्त कनिष्ठ सहायकों की हिन्दी व अंग्रेजी कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा 18 मई को प्रातः 10 बजे से गंगाथियेटर के पास स्थित राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित की जाएगी। परीक्षा आयोजन समिति के अध्यक्ष व अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) रामावतार कुमावत ने बताया कि अनुकम्पात्मक नियुक्ति प्राप्त जिन कनिष्ठ सहायकों की ओर से माह दिसंबर 2024 से मार्च 2025 की अवधि में आवेदन प्रस्तुत किया है

एसआई भर्ती पर फैसला लेने को हाईकोर्ट ने दी अंतिम चेतावनी, 15 मई तक मांगा जवाब

जयपुर(कासं.)।। राजस्थान में साल 2021 की सब इंस्पेक्टर भर्ती को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार को अंतिम चेतावनी दी है। अदालत ने सरकार से कहा है कि वह 15 मई तक अपने फैसले से अवगत कराए, अन्यथा कोर्ट स्वयं इस मामले में फैसला सुनाएगा। सोमवार को हुई सुनवाई में अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कोर्ट को बताया कि सरकार अब तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। उन्होंने बताया कि 13 मई को कैबिनेट सब कमेटी की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें निर्णय की संभावना है। इस पर न्यायाधीश समीर जैन की एकलपीठ ने सरकार को 15 मई तक का अंतिम मौका दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषक कल्याण के लिए कटिबद्ध

0.5 हैक्टेयर भूमि वाले किसानों को भी मिलेगा तारबंदी करने पर अनुदान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है, इस दिशा में तारबंदी योजना में रियायत प्रदान करने से जिले में निराश्रित एवं जंगली पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए अब एक जगह पर 0.5 हैक्टेयर भूमि होने पर भी किसानों को योजना का लाभ मिल सकेगा। इसके लिए कृषि विभाग की ओर से कांटेदार व चैनलिंक तारबंदी योजना के लिए वर्ष 2025-26 के लिए दिशा-निर्देश जारी किए है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी सी मीणा ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए कांटेदार व चैनलिंक तारबंदी योजना के तहत पूर्व वर्षों में तारबंदी योजना के लिए एक ही जगह न्यूनतम 1.5 हैक्टेयर भूमि होना आवश्यक था, लेकिन इस वर्ष विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में व्यक्तिगत एवं समूह में तारबंदी करवाने वाले किसान एक जगह न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर भूमि होने पर भी तारबंदी योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे।

अनुदान सहायता

उन्होंने बताया कि कांटेदार एवं चौनलिक सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए समूह में यदि 10 या अधिक कृषक मिलकर 5 हैक्टेयर भूमि में तारबंदी करवाते है, तो सभी किसानों को 70 फीसदी अनुदान राशि के हिसाब से प्रति किसान अधिकतम 400 रनिंग मीटर लंबाई पर 56 हजार रुपए की अनुदान राशि मिलेगी। व्यक्तिगत या समूह में एक ही जगह पेराफेरी में न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर भूमि पर तारबंदी करवाने पर लघु एवं सीमांत किसानों को 60 फीसदी अनुदान प्रति किसान अधिकतम 400 रनिंग मीटर लंबाई पर अधिकतम 48 हजार रुपए एवं सामान्य किसानों को 50 फीसदी अधिकतम 40 हजार रुपए का अनुदान तारबंदी पर कृषि विभाग से दिया जाएगा।

राज किसान साथी पोर्टल पर करना होगा आवेदन

उन्होंने बताया कि योजना के लिए इच्छुक एवं पात्र किसान तारबंदी पर अनुदान के लिए प्रस्तावित भूमि की पेरीफेरी का नवीनतम प्रमाणित संयुक्त नक्शा ट्रेस व जमाबंदी एवं जन आधार कार्ड, लघु सीमांत प्रमाण पत्र लेकर नजदीकी साथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है, ताकि पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर पत्रावलियों की प्राथमिकता से प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा सके।

ऐसे करनी होगी खेतों की कांटेदार-चैनलिंक तारबंदी

विभागीय दिशानिर्देशों के अनुसार किसान व्यक्तिगत या समूह में खेतों की तारबंदी करते समय अधिकतम 15 फीट की दूरी पर खंभे लगाए व 5 कांटेदार वायर आड़े व 2 कांटेदार वायर क्रॉस लगाएं या चैनलिंक जाल भी लगा सकते हैं। लोहे व सीमेंट के खंभे की सुरक्षा के लिए भूमि में पीसीसी भी करना जरूरी हैं। तारबंदी पर व्यय राशि के समस्त बिल किसानों को उपलब्ध कराने होंगे। कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित कृषि पर्यवेक्षक से कार्य का भौतिक सत्यापन राज किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन किया जाएगा। अनुदान राशि का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खाते में ट्रांसफर होगा।

अब 0.5 हैक्टेयर भूमि होने पर भी किसान करा सकेंगे तारबंदी

उन्होंने बताया कि अब 0.5 हैक्टेयर भूमि होने पर भी किसान तारबंदी करवा सकेंगे। पूर्व में 1.5 हैक्टेयर भूमि होना जरूरी था, लेकिन अब व्यक्तिगत एवं समूह में तारबंदी करवाने वाले किसान एक जगह न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर भूमि होने पर भी तारबंदी योजना के पात्र होंगे। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024- 25 में अलवर जिले में 1136 किसानों को 374 लाख रुपए की अनुदान राशि से अपने खेतों में 231674 मीटर में तारबंदी कराकर योजना का लिया है।

सेवा भारतीय समिति की ओर से सर्व समाज के समूह विवाह में एक ही पांडाल में हुआ 54 जोड़ा का पाणिग्रहण संस्कार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सेवा भारती समिति की ओर से जानकी नवमी पर सोमवार को अम्बावाड़ी स्थित उच्च माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मंदिर में सर्वजातीय चतुर्दशम सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। घर जैसे माहौल में एक ही मंडप में सोलह समाजों के 54 जोड़ों ने एक दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया। इनमें दस अंतर्जातीय जोड़े भी थे। एक वधू के माता-पिता दोनों ही नहीं थे। उनके विवाह का संपूर्ण दायित्व सेवा भारती ने निभाया। पंडितों ने वैदिक विधि से पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। सेवा भारती के सदस्य ऐसे उत्साहित थे जैसे कि घर में विवाह हो रहा हो। सेवा भारती की महिलाएं एक ही रंग की साड़ी पहने नजर आई और फेरों से पूर्व की रस्में करवाई। सोलह श्रृंगार कर बरी के बेस में दुल्हनों ने अपने-अपने दूल्हे राजा के संग फेरे लिए। इस दौरान सामाजिक समरसता की मिसाल देखने को मिली। सालासर बालाजी मंदिर के विष्णु पुजारी, गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा

के मनु महाराज, महंत हरिशंकरदास वेदांती, अकिंचन महाराज सहित अनेक संतों-महंतों ने दलित दूल्हों के पैर धोए। भावपूर्ण दृश्य देखकर वर-वधु के परिजनों की आंखे सजल हो उठी। इससे पूर्व गाजेबाजे और लवाजमे के साथ विद्याधर महादेव मंदिर से बारात रवाना हुई। सभी 54 दूल्हे सजधज कर अलग-अलग घोड़ी पर बैठ कर विवाह स्थल पहुंचे और तोरण मारा। तोरण की रस्म के बाद स्टेज पर वरमाला कराई गई। उपहार इतने लोडिंग टैंपों पड़ गए छोटे समिति की ओर से दूल्हा-दुल्हन को अपने जीवन की नई शुरुआत करने के लिए अनेक सामान उपहार स्वरूप दिए गए। इसमें सोने-चांदी के आभूषणबैड, अलमारी, पंखा, सिलाई मशीन, बक्सा, बर्तन, कपड़े सहित करीब दो दर्जन आयटम थे। सीतारामजी तस्वीर, तुलसी का पौधा, तुलसी माला, पुस्तक भी उपहार स्वरूप दी गई। इतना अधिक सामान के आगे लोडिंग वाहन भी छोटा पड़ गया। आनन फानन में बड़े लोडिंग वाहन मंगवाने पड़े।

इन्होंने दिया आशीर्वाद खोजी द्वारचार्य रामरिछपाल दास महाराज, श्री नारायण धाम के रामरतन दास महाराज, सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर के महंत अवधेशाचार्य, अकिंचन महाराज, मोतीडूंगरी गणेश मंदिर के महंत पं. कैलाश शर्मा, खोले के हनुमान मंदिर के महामंत्री बृजमोहन शर्मा,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम, प्रांत प्रचारक बाबूलाल, मूलचंद सोनी, शिव लहरी , विधायक बालमुकुंदाचार्य सहित अनेक विशिष्टजनों ने नव विवाहित जोड़ों को सुखद दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। समिति ने सभी को शॉल ओढ़ाकर, नारियल तथा माला पहनाकर सम्मान किया। विवाह समिति में संयोजक नवल बगडिया, गिरधारी लाल शर्मा, नागरमल अग्रवाल, कैलाश शर्मा, हरिकृष्ण गोयल, सुरेश मोहन जोशी, रामबाबू अग्रवाल, रमेश डेरेवाला, डॉ. एसपी शर्मा, सुमन बंसल, रितु चतुर्वेदी एवं अन्य ने विवाह की व्यवस्थाओं की बागडोर संभाले रखी। कार्यक्रम का संचालन हनुमान सिंह भाटी ने किया।

क्रीड़ा पदक विजेता व मृताश्रित राज्य कर्मचारियों की कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा 9 मई को

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला जयपुर में कार्यरत क्रीड़ा पदक विजेता व मृताश्रित राज्य कर्मचारियों की नियुक्ति के पश्चात् ली जाने वाली कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर शहर पूर्व एवं प्रभारी अधिकारी टंकण परीक्षा कलेक्ट्रेट, जयपुर द्वारा दिनांक 09.05.2025 (शुक्रवार) को मदरलैण्ड प्रोगरेसिव पब्लिक स्कूल, विशा नाथ धाम, प्लाट, न. 3 निवारू रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012 में आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर शहर पूर्व एवं प्रभारी अधिकारी टंकण परीक्षा कलेक्ट्रेट, जयपुर गोपाल सिंह ने बताया कि दिनांक 30.04.2025 को उक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र पंजीकृत डाक से जारी किये जा चुके हैं। जिन परीक्षार्थियों को दिनाँक 07.05.2025 तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं हो तो वे दिनांक 08.05.2025 को सायं 04:00 बजे तक कार्यालय जिला कलेक्ट्रेट, जयपुर के कमरा नम्बर 149 में संस्थापन अधिकारी कक्ष से प्रवेश पत्र की डुप्लीकेट प्रति प्राप्त कर सकते हैं।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

5 हजार रूपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 3 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में गणेश मार्ग बापू नगर, गोपालपुरा पुलिया के नीचे, त्रिवेणी नगर, बरकत नगर अर्जुन नगर फाटक से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 5 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 3 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में गणेश मार्ग बापू नगर, गोपालपुरा पुलिया के नीचे, त्रिवेणी नगर, बरकत नगर अर्जुन नगर फाटक से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 3 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चारधाम यात्रा के लिए आधार पंजीकरण अनिवार्य उत्तराखंड मुख्य सचिव

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा-2025 की शुरुआत 30 अप्रैल से हो चुकी है। उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनन्द बर्धन ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजकर इस यात्रा की प्रक्रिया को लेकर आमजन को जागरूक करने की अपील की है। मुख्य सचिव ने बताया कि इस वर्ष तीर्थ यात्रियों के लिए आधार कार्ड से पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। जिन यात्रियों ने ऑनलाइन पंजीकरण नहीं करवाया है, उनके लिए ऑन स्पॉट पंजीकरण की व्यवस्था ऋषिकेश, हरिद्वार और विकास नगर (हबर्टपुर, नयागांव) में की गई है। यात्रियों को उसी दिन दर्शन की अनुमति दी जाएगी, जिस दिन के लिए उनका पंजीकरण होगा। ऑन स्पॉट पंजीकरण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाएगा, जिसके तहत प्रशासन यात्रियों की संख्या नियंत्रित कर सकेगा। गौरतलब है कि चारधाम यात्रा में यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन शामिल होते हैं। प्रशासन का उद्देश्य तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने राज्य पाल से की मुलाकात

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से नई दिल्ली स्थित जोधपुर हाउस में सोमवार को विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों और राजस्थान के विकास पर चर्चा की। राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री मेघवाल की यह शिष्टाचार भेंट थी।

जयपुर टाइम्स
हमारे यहाँ दैनिक साप्ताहिक पाक्षिक एवं मासिक समाचार पत्रो की प्रिटिंग की जाती है।
7014217770
सी-588, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड़, जयपुर-13

शीघ्र ही मिलेगी स्पोर्ट्स क्लब की सौगात

नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने ली निर्माण शाखा के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

महापौर ने अधिकारियों को तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिये

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में सोमवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के ई.सी. मीटिंग हॉल में निर्माण शाखा से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों के सम्बन्ध में चर्चा की गई। महापौर डॉ सौम्या गुर्जर द्वारा वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों के संबंध में लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। जिसके क्रम में महापौर द्वारा लगातार 10 दिन में चैथी समीक्षा बैठक की गई। अगली बैठक 20 मई को आयोजित होगी। मालवीय नगर जोन में रवीन्द्र मंच के पास आदर्श स्पोर्ट्स क्लब बनाया जाएगा। जिसका जल्द ही शिलान्यास भी किया जाएगा। इस स्पोर्ट्स क्लब में पाँच प्रकार के खेलों के मैदान होंगे। जिसके अंतर्गत बैडमिंटन के दो खेल मैदान, टेनिस के दो खेल मैदान, बास्केटबॉल का एक खेल मैदान, क्रिकेट बॉक्स के तीन खेल मैदान, बॉलीबॉल के दो खेल मैदान बनाए जाऐंगे। महापौर ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि हर अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। वार्डों के विकास कार्यों में गति लायी जाए साथ ही वरिष्ठ प्रबुद्ध नागरिकों से संवाद किया जाए तथा उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर भी अमल किया जाए। जनता का पैसा जनहित में खर्च करना है, जनहित सर्वोपरि है। महापौर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार के सभी नालों की 31 मई तक सफाई की जाए तथा इसके बाद किसी भी प्रकार से शिकायत प्राप्त न हो कि नाले साफ नहीं हुए। महापौर ने प्रगतिरत नाला सफाई की भी जानकारी ली। बैठक में महापौर ने प्रत्येक वार्ड में कराये गये 50-50 लाख के विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली। रामनिवास बाग में स्पोर्ट्स एकेडमी विकसित करने, उद्यान के विकास कार्यों को करने एवं सड़कों की स्थिति, जोनवार प्रगतिरत नाला सफाई की जानकारी ली। इसके साथ ही तिलक नगर सामुदायिक केन्द्र के कैम्पस में उपलब्ध खाली भूमि पर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाये जाने, निगम मुख्यालय के कैम्पस् गार्डन एरिया में डबल बेसमेन्ट पार्किंग बनाये जाने, यूएलबी क्लब निर्माण, 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अटल स्मृति उद्यान, अटल क्लब बनाने, 8 वर्ष तक के आयु के बच्चों के लिए एक्सक्लूसिव चिल्ड्रन पार्क विकसित करने के संबंध में संबंधित अधिकारी से जानकारी ली, तथा शीघ्र ही कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

राइजिंग राजस्थान समिट 100 से 1000 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा, मुख्य सचिव ने प्रगति की सराहना की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के अंतर्गत 100 करोड़ से 1,000 करोड़ रुपये तक के एमओयू की स्थिति की पाक्षिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में परियोजनाओं के भूमि पूजन और क्रियान्वयन स्तर तक पहुंचने की सराहना की गई। यह बैठक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार त्रिस्तरीय निगरानी प्रणाली का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य निवेश प्रस्तावों के प्रभावी और समयबद्ध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है। पंत ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय और प्रभावी निगरानी को निवेश प्रस्तावों को ज़मीनी स्तर पर लाने में निर्णायक बताया। उन्होंने औद्योगिक परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की पारदर्शिता पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि केवल वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार ही भूमि आवंटन हो। बैठक में बताया गया कि रीको द्वारा भूमि आवंटन का दूसरा चरण मई 2025 से शुरू हो रहा है। 15 मार्च से 30 अप्रैल 2025 के बीच एमओयू करने वाले

निवेशक 15 मई से डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी (फेज-2) के अंतर्गत आवेदन कर सकेंगे। मुख्य सचिव ने सभी विभागीय सचिवों को गंभीर निवेशकों को प्राथमिकता देने, साप्ताहिक बैठकें करने और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि परियोजनाएं शीघ्रता से प्रारंभ हो सकें। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, रीको और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में आयोजित समिट में रिकॉर्ड 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जो राजस्थान में औद्योगिक बदलाव की दिशा में बड़ा कदम है।

ओमदास महाराज का किया स्वागत सत्कार

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। ग्राम खारी छाबड़ी में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के अवसर पर सनातन समाज में समरसता का भाव प्रसारित करके सम्पूर्ण सनातन को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए प्रयासरत सांगलिया पीठाधीश्वर श्री 108 संत शिरोमणि ओमदास महाराज का विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल व सर्व सनातन समाज की तरफ से सालासर द्वार के पास पुष्प वर्षा, माल्यार्पण व भगवा शॉल ओढ़ाकर, श्री फल देकर स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने बताया कि बाबा साहब के पद चिह्नों पर चलकर व सम्पूर्ण समाज को समरसता व एकता के सूत्र में पिरोने के लिए सतत प्रयासरत संत ओमदास महाराज जैसे उच्च विचारवान महापुरुषों की आज के युग में महती आवश्यकता है। विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष राजकुमार महर्षि ने कहा कि यह हमारे सनातन समाज का सौभाग्य है कि ऐसे संत का रतनगढ़ की पावन धरा पर हमें स्वागत करने का अवसर प्राप्त हुआ, जिनके मार्गदर्शन में सनातन संस्कृति उन्नत्ति के पथ पर अग्रसर हो रही है। सालासर गेट के पास स्वागत सत्कार के पश्चात् परिषद् व सनातन परिवार के सैंकड़ों नागरिक पूरे लवाजमे के साथ ओम दास महाराज को जयघोष

करते हुए खारी छाबड़ी लेकर आए जहां बाबा साहब की मूर्ति के अनावरण का कार्यक्रम हुआ। परिषद् के सभी सदस्यों ने बाबा साहेब की प्रतिमा का माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर समस्त सनातन समाज व भारतवर्ष की सुख, शांति, प्रेम, एकता, सौहार्द व भाईचारे की मंगलकामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि, राजकुमार महर्षि, अजय गार्गी सारस्वत, ओम प्रकाश गाड़गिल, महेन्द्र गार्ड, राकेश शर्मा आईस, ओम महर्षि, अनिल पंवार, धनराज सैनी, जगदेव सांखोलिया, रामदेव चंदनिया, राजेन्द्र प्रसाद चांदगोठिया, अरुण पचलंगिया, एडवोकेट लक्ष्मण प्रजापत, बलवीर स्वामी व जिला मंत्री अरविन्द मिश्रा सहित सर्व समाज के दर्जनों नागरिक उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में अवैध रूप से रह रहा बंगलादेशी-परिवार हिरासत में

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पचेरीकलां थाना क्षेत्र के एक ईंट भट्टे से अवैध रूप से रह रहे 7 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शरद चौधरी ने बताया कि पकड़े गए लोगों में 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। जो सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। पुलिस ने इनके पास से फर्जी आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। एसपी चौधरी ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय और राजस्थान सरकार के निर्देशों के तहत जिले में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान और उन्हें वापस भेजने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पचेरीकलां थाना पुलिस ने ईंट भट्टे पर छापा मारा, जहां ये सभी सात बांग्लादेशी नागरिक काम करते हुए पाए गए है। पूछताछ में पकड़े गए सभी लोगों ने अपना मूल निवास स्थान बांग्लादेश के कुरीग्राम जिले के सोरदारपारा गांव बताया है। पुलिस के अनुसार, इन लोगों के पास भारत में रहने या यात्रा करने के लिए कोई भी वैध दस्तावेज नहीं थे। वे ईंट भट्टे पर मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे थे।

इन्हें लिया गया हिरासत में

मो. अजीजर रहमान (55)
मो. अब्दुर्रहीम उर्फ रिदॉय हुसार (20)
मो. जन्नत (27)
जन्नातुन बेगम (47)
विस्टी उर्फ रेनू खातून (25)

दो नाबालिग बच्चे

एसपी शरद चौधरी ने बताया कि पकड़े गए सभी व्यक्तियों के बायोमेट्रिक और अन्य जांच की जा रही है और इस संबंध में गृह मंत्रालय को सूचित कर दिया गया है। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, इन सभी नागरिकों को जल्द ही उनके देश वापस भेजने (डिपोर्ट) की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने ईंट भट्टा मालिकों को भी सख्त चेतावनी दी है कि वे अपने यहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों की पूरी जानकारी रखें और यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से भारत में रह रहा हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। जिले में अवैध विदेशियों के खिलाफ पहली बड़ी कार्रवाई एसपी चौधरी ने इस कार्रवाई को जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ पहली बड़ी कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

घांघू में गुरुकुल कम्प्यूटर सेंटर का शुभारम्भ, ग्रामीण युवाओं को मिलेगा फायदा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले के घांघू गांव में सोमवार को गुरुकुल कम्प्यूटर सेंटर का भव्य शुभारंभ मुख्य बाजार में अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी परमेश्वर लाल दर्जी ने कहा कि वर्तमान समय शिक्षा और विज्ञान का है। ऐसे समय में ज्ञान ही शक्ति है। हमें अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाते हुए वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में बेहतरीन अवसर दिलाने का प्रयास करना चाहिए। समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य प्रताप सिंह कुमावत ने कहा कि संचार क्रांति के इस युग में प्रत्येक व्यक्ति का कम्प्यूटर शिक्षित होना बहुत जरूरी है। आज के समय में हर कार्य में कम्प्यूटर की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि आप अपने बालक बालिकाओं को कम्प्यूटर कोर्स अवश्य कराएं। आजकल

सरकारी व गैर सरकारी सेवाओं में कम्प्यूटर कोर्स जरूरी होता जा रहा है। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त कैप्टन शिवलाल सिगड़ा ने कहा कि गांव में कम्प्यूटर पाठशाला का खुलना ग्रामीण बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज के युग में जिसको कम्प्यूटर का ज्ञान नहीं है वो अनपढ़ समान है क्योंकि आज के समय में हर कार्य कम्प्यूटर से होता है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि समाजसेवी महावीर नेहरा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य बरकत अली, सेवानिवृत्त सैनिक लालचंद फगेड़िया, बीरबल नोखवाल ने भी विचार व्यक्त करते हुए कंप्यूटर शिक्षा को आज की आवश्यकता बताया। सेंटर के व्यवस्थापक सेवानिवृत प्रधानाचार्य रामकरण फगेड़िया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कम्प्यूटर अनुदेशक शफीक ने कम्प्यूटर कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कैप्टन श्रीराम राव, रामकुमार धेतरवाल, दीपचंद धेतरवाल व रवि धेतरवाल, पृथ्वी सिंह तंवर ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन नरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर बन्ने खां, शीशपाल गोदारा, रामरख शिवरान, विद्याधर रेवाड़, लालचंद प्रजापत, सोहनलाल सिहाग, भागीरथ फगेड़िया, आजम खान, विक्रम सिंह तंवर, नंदकिशोर सेवदा, मुकेश बाटू, हनुमान प्रसाद, सुभाष धानिया, रामप्रताप मेघवाल, भंवरलाल फगेड़िया, पूर्णसिंह तंवर, मनोहर लाल धेतरवाल, राजवीर सिंह राठौड़, हेमराज फगेड़िया, पूर्णा राम फगेड़िया, कैलाश शर्मा, अशोक शर्मा, हरि फगेड़िया, महेन्द्र दानोदिया, बजरंग कपूरिया, ओमप्रकाश नैन, सतार खान, श्याम बाटू, सुनील कुमार, महेश नाई जयप्रकाश प्रजापत आदि मौजूद रहे।

कमी पानी की नहीं, प्रबंधन की है

भारत के पास कहने को राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर अलग-अलग जल नीति जरूर है, लेकिन हमारे पानी प्रबंधन की चुनौतियों को जिस नदी नीति, बांध नीति, पानी प्रबंधन की जवाबदेही तथा उपयोग व मालिकाना सुनिश्चित करने वाली नीति, जलस्रोत से जितना लेना उसे उतना और वैसा पानी वापस लौटाने की नीति की दरकार है, वह आज भी देश के पास नहीं है। बावजूद इस सभी के, सच तो यही है कि यदि आज भी हमें हमारी जरूरत का पूरा पानी कोई पिला सकता है, तो वे हैं सिर्फ बारिश की बूंदें। इस दावे को यहां कागज पर समझाना जरा मुश्किल है, लेकिन लद्दाख, करगिल, लाहुल और स्पीति जैसे शुष्क पहाड़ी और ठंडे रेगिस्तानों के जिंग और कूलों को देख कर समझा जा सकता है कि यदि जल संचयन का स्थानीय कौशल न हो, तो वहां आज भी आबादी का रहना मुश्किल हो जाए। पानी की बूंदों को सहेजने का इतिहास बहुत पुराना है।

सूर्य देवता ने विज्ञप्ति जारी कर दी है। मई-जून में प्रचंड गर्मी होगी। पानी की कमी के कारण पिछले साल ग्यारह राज्यों में हायतौबा थी। इस साल यह संख्या बढ़ सकती है। राजस्थान के कोटपुतली में पानी को लेकर आंदोलन अभी से शुरू हो गया है। हो सकता है जब बारिश आए, तो पानी की कमी से जूझते ऐसे कई इलाके बाढ़ में डूबे मिलें। फिर बाढ़ को लेकर हायतौबा मचे और बाढ़ गुजर जाने के तीन महीने बाद ही नदियां सूखी हों और भूजल खुद में एक सवाल बनकर सामने खड़ा हो। यह सवाल तालों में ताल भोपाल ताल के इलाके के पानी पर भी है और कभी झीलों के लिए प्रसिद्ध रहे बंगलुरु के पानी पर भी। गुणवत्ता को लेकर पंचनद वाले पंजाब के भूजल पर भी आज सवालिया निशान है और अपनी सब स्थानीय नदियों को सुखा चुकी दिल्ली के भूजल पर भी। दिलचस्प है कि भूजल में आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे खतरनाक रसायन वाले इलाके सबसे अधिक बाढ़ वाले बिहार में भी मौजूद हैं और हर साल सुखाड़ से सीखते राजस्थान में भी।

पिछले कुछ सालों से यही हो रहा है। ऐसे विरोधाभासी परिदृश्य स्वयं में इस बात के प्रमाण हैं कि भारत में पानी की कमी नहीं, पानी के प्रबंधन की कमी है। प्रमाण इस बात के भी हैं कि पानी का प्रबंधन न सरकारों को कोसने से ठीक हो सकता है, न रोने से और न किसी के चीखने-चिल्लाने से। हम इस मुगालते में भी न रहें कि नोट या वोट हमें पानी पिला सकते हैं। अगर कोई कहे कि खारे समुद्री पानी को मीठा बनाने की महंगी तकनीक के बूते सभी को पानी पिला देगा, तो यह भी हकीकत से मुंह फेर लेना है। हकीकत यह है कि आज भी पीने योग्य सबसे ज्यादा पानी (1.68 प्रतिशत) धरती के नीचे भूजल के रूप में ही मौजूद है। हमारी भूजल की तिजोरी इतनी बड़ी है कि इसमें 213 अरब घन लीटर पानी समा जाए और हमारी जरूरत है मात्र 160 अरब घन लीटर। पर बेसमझी यह है कि निकासी ज्यादा है और संचयन कम। सच यह भी है कि अभी तक देश में जल-संरचनाओं के चिह्नीकरण और सीमांकन का काम ठीक से शुरू भी नहीं किया जा सका है।

भारत के पास कहने को राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर अलग-अलग जल नीति जरूर है, लेकिन हमारे पानी प्रबंधन की चुनौतियों को जिस नदी नीति, बांध नीति, पानी प्रबंधन की जवाबदेही तथा उपयोग व मालिकाना सुनिश्चित करने वाली नीति, जलस्रोत से जितना लेना उसे उतना और वैसा पानी वापस लौटाने की नीति की दरकार है, वह आज भी देश के पास नहीं है। बावजूद इस सभी के, सच तो यही है कि यदि आज भी हमें हमारी जरूरत का पूरा पानी कोई पिला सकता है, तो वे हैं सिर्फ बारिश की बूंदें। इस दावे को यहां कागज पर समझाना जरा मुश्किल है, लेकिन लद्दाख, करगिल, लाहुल और स्पीति जैसे शुष्क पहाड़ी और ठंडे रेगिस्तानों के जिंग और कूलों को देख कर समझा जा सकता है कि यदि जल संचयन का स्थानीय कौशल न हो, तो वहां आज भी आबादी का रहना मुश्किल हो जाए। पानी की बूंदों को सहेजने का इतिहास बहुत पुराना है। ताल, पाल, झाल, चाल, खाल, बंधा, बावड़ी, जोहड़, कुंड, पोखर, पाइन, तालाब, झील, आपतानी आदि अनेक नामों से जल संचयन की अनेक प्रणालियां भारत में समय-समय पर विकसित हुईं।

आप पूछ सकते हैं कि यदि ये प्रणालियां और प्रबंधन इतने ही सुंदर और उत्तम थे, तो टूट क्यों गए? समाज व सरकारें इन्हें जीवित क्यों नहीं रख सकीं? इतिहास गवाह है कि पानी का काम कभी अकेले नहीं हो सकता। पानी एक साझा उपक्रम है। अंग्रेजी हुकूमत ने भूमि-जमींदारी व्यवस्था के बहाने नए-नए कानून बना कर ग्राम पंचायतों के अधिकारों में खुला हस्तक्षेप प्रारंभ किया। इस बहाने पंचों को दंडित किया जाने लगा। फलस्वरूप, साझे कार्यों के प्रति पंचायतें धीरे-धीरे निष्क्रिय होती गईं। नतीजा यह हुआ कि सदियों की बनी-बनाई साझा प्रबंधन और संगठन व्यवस्था टूट गई। रही-सही कसर अंग्रेजी हुकूमत ने राजस्व बटोरने की दृष्टि से नदी, नहर व वनों को सरकारी नियंत्रण में लेकर पूरी कर दी। अंग्रेजी हुकूमत से पूर्व प्राकृतिक संसाधनों पर लोगों का मालिकाना था। नहरें थीं, लेकिन उनसे सिंचाई पर सिंचान नहीं वसूला जाता था। इन संसाधनों के सरकारी होते ही लोगों ने इन्हें पराया मान लिया। हालांकि 'जिसकी भूमि-उसका भूजल' का निजी अधिकार पहले भी भूमालिकों के हाथ था और आज भी। लेकिन भूजल का अदृश्य भंडार हमें दिखाई नहीं देता। हमारा समाज आज भी यही मानता है कि जल-जंगल के सतही स्रोत सरकार के हैं। अत पानी पिलाना, सिंचाई व जंगल का इंतजाम उसी के काम हैं; वही करे। आज, जब केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकारों ने भी अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन के अधिकार पंचायतों को सौंप दिए हैं; बावजूद इसके सरकारी को पराया मानने की नजीर और नजरिया आज पहले से बदतर हुआ है। इसी सोच व नासमझी ने पूरे भारत के जल प्रबंधन का चक्र उलट दिया है। पूरी जवाबदेही अब सरकार के सिर आ गई है। समाज हकदारी खो चुका है। परिणामस्वरूप, आज भारत के पानी प्रबंधन को बाढ़-सुखाड़ से इतर तीन नए संकट से जूझना पड़ रहा है।

शोषण, अतिक्रमण और प्रदूषण, इक्कीसवीं सदी के इस दूसरे दशक में भारत के पानी के समक्ष पेश नए संकट ये तीन ही हैं। जो उद्योग या किसान जेट अथवा समर्सिबल पंप लगा कर धकाधक भूजल खींच रहा है, उस पर कोई पाबंदी नहीं कि जितना लिया, उतना पानी वापस धरती को लौटाए।

हालांकि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने एक मामले में उद्योगों को ऐसे आदेश जारी किए हैं; लेकिन जब तक 'रेलनीर' या हमारे दूसरे सरकारी संयंत्र खुद यह सुनिश्चित नहीं करते कि उन्होंने जिन इलाकों का पानी खींचा है उन्हें वैसा और उतना पानी वे कैसे लौटाएंगे, तब तक सरकार गैर-सरकारी को कैसे बाध्य कर सकती है? यही हाल अतिक्रमण का है। देश में जल-संरचनाओं की जमीनों पर सरकारी-गैरसरकारी कब्जे के उदाहरण एक नहीं, लाखों हैं। तहसील अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक कई ऐतिहासिक आदेशों के बावजूद स्थिति बहुत बदली नहीं है। जहां तक प्रदूषण का सवाल है, हमने उद्योगों को नदी किनारे बसाने के लिए दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, लोकनायक गंगापथ, एक्सप्रेस वे आदि परियोजनाएं तो बना लीं, लेकिन इनके किनारे बसने वाले उद्योगों द्वारा उत्सर्जित प्रदूषण के स्रोत पर प्रदूषण निपटारे की कोई ठोस व्यवस्था आज तक सुनिश्चित नहीं कर पाए हैं, जबकि प्रदूषण प्रबंधन का सिद्धांत यही है। जिस तरह कैंसर का निदान उसके स्रोत से किया जाता है, उसी तरह प्रदूषण का निपटारा भी उसके स्रोत पर ही किया जाना चाहिए। भूजल शोषण नियंत्रण का उपाय भूजल स्रोतों का नियमन, लाइसेंसीकरण या रोक नहीं हो सकता। हां! अकाल आदि आपदाकाल छोड़कर सामान्य दिनों में जल-निकासी की अधिकतम गहराई सीमित कर भूजल-शोषण कुछ हद तक नियंत्रित अवश्य किया जा सकता है। ऐसा करने से स्थानीय उपभोक्ताओं को जल संचयन के लिए भी कुछ हद तक बाध्य किया जा सकेगा। अतिक्रमण रोकने के लिए जल संरचनाओं का चिह्नीकरण और सीमांकन कर अधिसूचित करना एक सफल उपाय साबित हो सकता है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान पर वार या इंतजार? पहलगाम हमले के बाद निर्णायक कार्रवाई की

पहलगाम हमले को एक हफ्ते से अधिक समय गुजर चुका। इसे लेकर लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि आतंकवाद और उसे पोसने वाले पाकिस्तान पर नकेल कसने के लिए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। घाटी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार भी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। उसने पचास पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, और ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां सैलानियों के लिए खतरा हो सकता है। मगर, फिर भी जन-दबाव बना हुआ है कि पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त निर्णय करने का वक्त है। मगर सरकार कोई भी कदम हड़बड़ी या उत्तेजना में नहीं उठाना चाहती है। सुरक्षा एजंसियों, सेना प्रमुखों और रणनीतिकारों के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को पुनर्गठित कर दिया है। इसलिए पाकिस्तान को आशंका है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। मगर भारत सरकार इसे लेकर सावधानी बरत रही है, तो उसकी वजहें भी समझी जा सकती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, उसे कड़ा सबक सिखाया ही जाना चाहिए, मगर इसका तरीका क्या हो, यह जटिल विषय है। यों तो युद्ध किसी भी मसले का हल नहीं हो सकता, पर पाकिस्तान के मामले में इसे लेकर अधिक गंभीरता से विचार करने की जरूरत पड़ती है। असल मुद्दा आतंकवाद को समाप्त करना है। वह युद्ध के बाद समाप्त हो जाएगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। फिर, भारत हमेशा से युद्ध का विरोध और शांति का समर्थन करता रहा है, अगर वही पाकिस्तान के खिलाफ इसकी पहल करता है, तो उस पर सवाल उठेंगे। इसलिए सरकार तमाम पहलुओं पर ठंडे दिमाग से विचार कर रही है। एक शांतिप्रिय राष्ट्र से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद भी की जाती है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि पहलगाम हमले को लेकर भारत सरकार किसी तरह का ढुलमुल रवैया अख्तियार कर रही है। पाकिस्तान से निपटने की रणनीति बनाते समय इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वहां सेना और सियासी हुकूमत समांतर सत्ता हैं। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत से ऊपर अपनी सत्ता कायम कर रखी है। वही आतंकवाद को पोसती और भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल करती है। जबकि पाकिस्तान की माली हालत इस वक्त बहुत बुरी है, आम अवाम दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। मगर पाकिस्तानी सेना का उससे कोई मतलब नहीं है, उसका मकसद केवल अपनी सत्ता कायम रखना है। छिपी बात नहीं है कि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले करने वाले संगठनों के सरगना वहां सेना के संरक्षण में पनाह पाए हुए हैं। ऐसे में भारत को कोई भी कदम उठाने से पहले इस पहलू पर भी विचार करना पड़ता है कि चोट ऐसी जगह पड़े, जिससे वहां की सेना और खुफिया एजंसी को ज्यादा नुकसान हो।

लाचार कामगार

हालांकि ऐसे कर्मचारी कंपनी के साथ लंबे समय तक भी जुड़े रहते हैं। स्वतंत्र रूप से ठेके पर काम करने वाले कर्मचारी। आनलाइन मंच के लिए काम करने वाले कर्मचारी। जैसे खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले कैब ड्राइवर, कूरियर बांटने वाले आदि। पूरे भारत में लगभग डेढ़ करोड़ गिग कामगार हैं। जिन संस्थानों या मंचों के लिए वे काम करते हैं, वे उन्हें कर्मचारियों के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे श्रमिकों के लिए कोई नियामक ढांचा भी नहीं है। ये कामगार अमानवीय व्यवहार की कई कहानियां सुनाते हैं। हाल ही में खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले एक एजंट दुर्घटना का शिकार हो गया। उसने कंपनी के सहायता कक्ष को फोन किया, जिसके लिए वह काम कर रहा था। कंपनी ने केवल अपना सामान पहुंचाने के लिए एक प्रतिस्थापन भेजा, लेकिन उसकी मदद के लिए कोई नहीं आया। कैब चालकों की भी स्थिति अलग नहीं है। गिग कामगार यूनियनों की मुख्य मांगों में से एक उन्हें कर्मचारियों के रूप में मान्यता देना है। अधिकतर गिग मजदूर किसी मंच से जुड़े हैं और सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए कर्मचारियों के रूप में काम करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बाध्य हैं। लेकिन उन्हें 'डिलीवरी पार्टनर्स' या 'तत्काल ठेकेदारों' जैसे चमकते नए नाम से संदर्भित किया जाता है, जिससे उन्हें कर्मचारियों के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है कानूनी रूप से। सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और वह यह सुनिश्चित करे कि गिग कामगार के लिए नियामक ढांचा हो, जिससे इन श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा की जाए। वास्तव में 'गिग कामगार' के महत्त्व को कभी कम नहीं आंका जा सकता है। उनकी भूमिका बेहद अहम है क्योंकि वे रोजगार के बाजार में लचीलेपन और प्रतिभा की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं। जब से राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू की है, तभी से इस यात्रा को जनसमूह का समर्थन मिलता दिख रहा है। लेकिन सरकार ने चीन समेत विश्व के पांच देशों में कोरोना के बढ़ते कहर को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी से 'भारत जोड़ो यात्रा' को रोकने का आग्रह किया था, जिसे उन्होंने मना कर दिया! हमने कोरोना से बहुत सारे अपने प्यारों को खो दिया है। बेकारी, मंदी तथा महंगाई का सामना किया है, इसलिए हम एक बार फिर कोरोना के कारण वह सब कुछ सहने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे बचने के लिए उपाय करने चाहिए! लेकिन सरकार के द्वारा अभी तक अन्य दलों की ओर से ऐसी सामूहिक यात्राएं रोकने को लेकर अलग से कुछ नहीं कहा गया! क्या सरकार ने इस महामारी से बचने के लिए तैयारियां की हैं? अस्पतालों में अतिरिक्त बिस्तर, कर्मचारी, दवाइयां, आक्सीजन आदि का प्रबंध किया गया है? क्या विवाह और सामाजिक समारोह में एकत्रित होने वाले लोगों की संख्या निर्धारित की है? यह अच्छी बात है कि सरकार ने प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की जांच करना शुरू कर दिया है! राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य लोगों से संपर्क बनाना और उनकी समस्याएं सुनना है!

दुश्चक्र में बाजार

दुकानदार ने बुझे हुए और बहुत दुखी मन से कहा कि आजकल बाहर पढ़ने वाले बच्चे मां-पिता की सुनते कहां हैं? शहर में रह कर बच्चों की तरह देखादेखी काम करते हैं। चाहे घर में चीज पड़ी हो, फिर भी पैसों की परवाह किए बगैर अपने दोस्तों के साथ होड़ करते हैं। मेरे बेटे ने अपने दोस्तों की बातों में आकर मंगा ली थी मुझे तोहफे के तौर पर देने के लिए। मैंने उसे मना किया था, लेकिन वह नहीं माना था। बेटे का कहना है कि कुछ सामानों को छोड़ कर जरूरत के सामान ऑनलाइन ही मंगाऊंगा।

शहर के हों या कस्बे के दुकानदार, सभी अपनी रोजी-रोटी को लेकर सचेत रहते हैं। लेकिन हाल के दिनों में जिस तरह की सच्ची तस्वीरें देखने को मिल रही हैं, उसे देख कर जाने क्यों दिल सोचने पर मजबूर हो जाता है। उनके दर्द को कौन समझेगा, जब समूचे बाजार और उसे संचालित करने वाले तंत्र और आम लोगों के बीच वे पिसते रहते हैं। एक ओर गुलाबी सर्दी की आहट को खुशनुमा मौसम की दस्तक के तौर पर देखा-जाना जाता है, दूसरी ओर यही मौसम कइयों के लिए चिंता की वजह होता है। हम सभी गरम कपड़ों को निकाल धूप दिखाना शुरू कर देते हैं या फिर जरूरत के सामानों की खरीदारी करने लगते हैं। हाल में मैंने भी बाजार से कुछ सामान लिए, जो जाड़े का वक्त निकाल दे। दुकानदार ने कुछ कवर दिए और अगले हफ्ते दूसरे नाप का कवर ले जाने को कह कर अपना दुख बताने लगा। दरअसल, उसने जो सामान दिखाया था, वह उतना अच्छा नहीं लग रहा था। तो जब मैंने लेने से मना किया तब उसने कहा- 'यह दिखने में बेशक सुंदर नहीं है, मगर इसमें गरमाहट बहुत ज्यादा है। आप मेरी बात मान कर एक बार यह ले जाइए। आप इसका उपयोग करने के बाद आप कहेंगी कि मैंने आपको अच्छी चीज दी है। आजकल हमारा काम पहले जैसा नहीं चल रहा है। उस पर ये ऑनलाइन खरीदारी ने हमारी दुकानदारी मार डाली है। ऑनलाइन वाले सामान तो बेहद कम गुणवत्ता वाला देते हैं, लेकिन लोग उसे लेना आसान समझते हैं। खुद मेरे बेटे ने ऑनलाइन खरीदारी के जरिए कम्बल मंगा लिया था, जिसे ओढ़ते ही मुझे खुजली शुरू हो गई थी। कपड़ा भी ठीक नहीं था।' यह सुन कर मैंने पूछा- 'आपको क्या जरूरत है बाहर से खरीदारी करने की, आपकी तो अपनी दुकान है!' दुकानदार ने बुझे हुए और बहुत दुखी मन से कहा कि आजकल बाहर पढ़ने वाले बच्चे मां-पिता की सुनते कहां हैं? शहर में रह कर बच्चों की तरह देखादेखी काम करते हैं। चाहे घर में चीज पड़ी हो, फिर भी पैसों की परवाह किए बगैर अपने दोस्तों के साथ होड़ करते हैं। मेरे बेटे ने अपने दोस्तों की बातों में आकर मंगा ली थी मुझे तोहफे के तौर पर देने के लिए। मैंने उसे मना किया था, लेकिन वह नहीं माना था। बेटे का कहना है कि कुछ सामानों को छोड़ कर जरूरत के सामान ऑनलाइन ही मंगाऊंगा। अब उस मूर्ख को कौन समझाए कि उसके पिता की तरह ही लाखों दुकानदारों की रोजी-रोटी का सवाल है। पता नहीं ये आजकल के बच्चों को क्या हो गया है? घर बैठे बासी खाना ऑर्डर करके मंगाते रहेंगे। फोन भी घर पर ही मंगाते हैं। मैं तो उसे कहता हूं कि जरा कमरे से निकल कर दुकान में जाकर देखभाल कर चीज खरीदा करे। मेरे ऐसे कहने पर उल्टा वह मुझे कहता है- 'आप आउटडेटेड हैंज दुनिया कहां से कहां निकल गई है और आप अभी भी उसी खोली में घुसे हुए हैं।' अभी नया-नया कॉलेज में गया है तो नई हवा लगी है। मुझे तो लगता है कि कुछ समय के बाद मेरी यह पुश्तैनी दुकान ऑनलाइन वाले निगल जाएंगे। मैं उसकी तकलीफ को समझने का प्रयास कर ही रही थी कि तब तक उसका नौकर खुदरा पैसे ले आया था, जिसे लेकर मैं चुपचाप बढ़ गई। लेकिन इस समूचे प्रसंग पर सोचने पर मजबूर हुई। आज हमें घर बैठे अनेक सुविधाएं मिल रही हैं, जिसका अगर लाभ है तो नुकसान भी है। हमारा विशाल देश क्या इस सुविधा से उपजी आर्थिक तंगी को झेल पाएगा? आज कॉलेज में पढ़ने वाले अधिकतर बच्चे ऑनलाइन खाना मंगा कर अपना पेट भरते हैं और खुश होते हैं। मां की चिंता अपने बच्चों की सेहत को लेकर दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। सामान खरीदा जा रहा है, मगर वह पैसा कैसे और कहां जा रहा है, यह नए बाजारवाद की नई व्यवस्था है। स्मार्ट फोन हाथ में होने का मतलब यह कतई नहीं है कि सभी लोग स्मार्ट हो गए हैं। देश का बहुत बड़ा वर्ग एक अंधेरी-सी गली की तरफ बिना विचार किए भागा जा रहा है। उन्हें कौन भगा रहा है, यह समझ नहीं आ रहा है। हमें यह समझना होगा कि हमारी अर्थवयवस्था अनेक रूप में बंटी हुई है। यहां छोटे, बहुत छोटे, निम्न, मध्य, उच्च मध्यवर्गीय, छोटे, बड़े और बहुत बड़े व्यापारी भरे पड़े हैं। उन पर करोड़ों की आबादी निर्भर करती है। एक दूसरे की जरूरतों के लिए एक दूसरे से माल खरीदते हुए आपस में लेन-देनदारी करते हैं। अगर ऐसे में उनके बीच कोई बहुत बड़ा बाजार ऑनलाइन के रूप में आ जाएगा तो हमें समझना होगा कि क्या वे सभी इस आर्थिक बोझ को झेल पाएंगे!

इस दिन से आवारापन 2 की शूटिंग शुरू करेंगे इमरान हाशमी, स्क्रिप्ट के बारे में किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म ग्राउंड जीरो को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जो 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। वहीं, इस बीच अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। जब इमरान हाशमी ने मार्च में अपने जन्मदिन पर आवारापन के सीक्वल का खुलासा किया तो प्रशंसक रोमांचित हो गए। इमरान ने अब नए इंटरव्यू में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग के बारे में जानकारी दी।

फिल्म की घोषणा

इस साल की शुरुआत में सीक्वल की घोषणा करते हुए, इमरान ने 2007 की फिल्म से अपने किरदार की एक पुरानी क्लिप शेयर की थी, जिसमें वह नाव पर खड़े होकर शहर के क्षितिज के पीछे सूर्यास्त को निहार रहे थे। मशहूर गाने तेरा मेरा रिश्ता के साथ यह वीडियो तुरंत वायरल हो गया, जिसने पुराने प्रशंसकों के बीच भावनाओं को जगा दिया।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इमरान नेइंटरव्यू में कहा कि वरू जुलाई के अंत में शूटिंग शुरू कर देगा। प्रशंसकों के पास आगे देखने के लिए बहुत कुछ होगा, क्योंकि उन्होंने यह भी पुष्टि की कि सीक्वल 3 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बॉक्स ऑफिस पर शुरूआती दौर में मामूली प्रदर्शन के बावजूद इमरान हाशमी और श्रिया सरन अभिनीत फिल्म आवारापन ने समय के साथ-साथ दर्शकों का खूब ध्यान आकर्षित किया और यह फिल्म दर्शकों के बीच पसंदीदा फिल्म बन गई।

कई साल से चल रहा था फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम

इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कई वर्षों तक टीम के साथ आवारापन 2 की स्क्रिप्ट पर काम करने के बारे में भी बताया। अभिनेता ने कहा, हम लगभग दो सालों से सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। हम सिर्फ इसके लिए सीक्वल नहीं बनाना चाहते थे। ऐसा हुआ कि हमने इस साल उस स्क्रिप्ट पर काम पूरा कर लिया। कल्पना कीजिए कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फिल्म को किस तरह का आकर्षण मिला होगा।

अब अल्लू अर्जुन के साथ रोमांस करेंगी मृणाल ठाकुर

एक फिल्म जिसका पूरे देश को बेसब्री से इंतजार है, वह है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म जिसे एटली द्वारा निर्देशित किया जाएगा। इस फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले अभिनेता के जन्मदिन पर की गई थी। फिल्म से जुड़ी जानकारियां पाने के लिए फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैं। वहीं, अब खबर है कि फिल्म के लिए मुख्य नायिका को चुन लिया गया है।

मृणाल ठाकुर होंगी फिल्म का हिस्सा

एटली की फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, लीड फीमेल रोल के लिए मृणाल को चुना गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वह इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ रोमांस करती नजर आएंगी और अभिनेत्री ने गुरुवार को मुंबई में लुक टेस्ट दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म में उनका लुक उनकी पिछली साउथ फिल्मों से अलग होगा।

कई अभिनेत्रियों पर चर्चाएं जारी

मृणाल ही नहीं, फिल्म में अन्य महिला प्रधान भूमिकाएं भी होंगी। कथित तौर पर जान्हवी कपूर और दीपिका पादुकोण को भी फिल्म के लिए चुना जा रहा है और दीपिका एटली के निर्देशन में बनने वाली फिल्म को साइन करने के बहुत करीब हैं। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि मेकर्स प्रियंका चोपड़ा, श्रद्धा कपूर, सामंथा रुथ प्रभु, दिशा पटानी और जान्हवी कपूर पर विचार कर रहे हैं और अब मृणाल और दीपिका के नाम की खबरें आई हैं।

आधिकारिक एलान का इंतजार

हालांकि, इन खबरों पर अल्लू अर्जुन या एटली की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। साथ ही अनाम फिल्म की आधिकारिक रिलीज की तारीख भी अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन कथित तौर पर फिल्म 2027 की शुरुआत में बड़े पर्दे पर आएगी। अनाउंसमेंट वीडियो के जरिए संकेत मिला था कि एटली और अल्लू अर्जुन फिल्म के प्री-प्रोडक्शन के लिए अमेरिका गए थे और हॉलीवुड फिल्मों पर काम कर चुके वीएफएक्स एक्सपर्ट्स से मिले थे।

पिता इरफान खान की बायोपिक में काम करने से इसलिए घबरा रहे बाबिल

दिवंगत अभिनेता इरफान खान की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में होती है। उनकी मौत के बाद अब उनके बेटे बाबिल खान फिल्मों में एंट्री कर चुके हैं और लगातार अपने अलग-अलग किरदारों से खुद को इंडस्ट्री में स्थापित करने में लगे हैं। इस बीच बाबिल ने अपने पिता इरफान खान की बायोपिक बनने पर उनकी भूमिका निभाने के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि अगर उन्हें मौका मिलता है तो वो इस भूमिका को निभाएंगे या नहीं। बाबिल खान ने बताया कि अपने पिता की बायोपिक में काम करने का विचार काफी डरावना है। अभिनेता ने कहा, बाबा की भूमिका को पर्दे पर निभाना बेशक बेहद सम्मान की बात है। मैं वास्तव में ऐसा करूंगा। लेकिन अभी मेरे करियर के इस पड़ाव पर यह विचार मेरे लिए बहुत डरावना है। बाबिल की बात करें तो अभिनेता हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसके अलावा बाबिल ने हाल ही में अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बताया था कि वो अब एक रोमांटिक-कॉमेडी शो में नजर आएंगे। हालांकि, इसके बारे में उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की।

इस वजह से अपनी लव लाइफ को सीक्रेट रखना चाहती हैं पलक

अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का नाम अक्सर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जोड़ा जाता है। दोनों की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी रहती हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। इस बीच अब अभिनेत्री पलक तिवारी ने कहा कि वो नहीं चाहतीं कि उनकी लव लाइफ चर्चा का केंद्र बने या उसको लेकर चर्चाएं हों।

नहीं चाहती लव लाइफ काम पर हावी हो

अपनी आगामी फिल्म 'भूतनी' के प्रमोशन में जुटीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने हाल ही में अपनी लव लाइफ को लेकर बात की। फिल्मफेयर के साथ हालिया बातचीत में पलक ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी लव लाइफ के बारे में बात करना क्यों पसंद नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं नहीं चाहती कि मेरी रोमांटिक लाइफ या मेरी लव लाइफ हावी हो जाए या बातचीत का विषय बने, जब मैं अभी अपना नाम बनाने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई व्यक्ति बहुत कुछ करना चाहता है तो यह उसे हेडलाइन तक सीमित कर देता है।

इसलिए रखती हैं चीजों को प्राइवेट

पलक ने आगे कहा, मैं नहीं चाहती कि कोई और उन मामलों पर राय रखे, जिनके बारे में मैं ज्यादा सोचती हूं या जो मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं, जैसे कि रिश्ता। इसलिए मैं चीजों को निजी रखना पसंद करती हूं।

पलक तिवारी जल्द ही फिल्म 'द भूतनी' में नजर आएंगी। ये फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, आसिफ खान और निक भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस हॉरर कॉमेडी को सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है।

इस फिल्म के कायल हैं 'हिट 3' के चर्चित अभिनेता नानी

नानी अभिनीत फिल्म हिट 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जिसके लिए फिल्म की एंडवारड बुकिंग सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका में भी शुरू हो गई है। फिल्म के सभी कलाकार और निर्माता इसके प्रमोशन में जोरों-शोरों से लगे हुए हैं। अब एक्टर नानी ने अपने जीवन की सबसे धाकड़ फिल्म का जिक्र किया है। आइए जानते हैं अभिनेता की पसंदीदा फिल्म।

पसंदीदा फिल्म को लेकर हुआ सवाल

सैलेश कोलानु के निर्देशन में बनी फिल्म हिट 3 के प्रमोशन के लिए नानी और श्रीनिधि शेट्टी एक समारोह में पहुंचे थे। एक इंटरव्यू में इन दोनों से उनकी पसंदीदा तमिल फिल्मों के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी ने बताया कि उनकी सबसे खास फिल्म है लुब्बर पंधु, जो तमिल भाषा में है।

यह फिल्म है नानी की फेवरेट

पसंदीदा फिल्मों के सवाल के जवाब में एक्टर नानी ने कहा, तमिल सिनेमा को भूल जाओ। मेयाझगन (तेलुगु में सत्यम सुंदरम नाम से है) पिछले दशक की मेरी पसंदीदा फिल्म है। यह एक बेहतरीन फिल्म है। उस फिल्म ने मुझे शानदार अनुभव कराया था। प्रेम कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने जादू कर दिया था। आप सेट बना सकते हैं और हजारों करोड़ खर्च कर सकते हैं, लेकिन यह फिल्म पूरी तरह से जादू थी। इस शानदार फिल्म के लिए कार्थी, अरविंद स्वामी सर और प्रेम को बहुत-बहुत सम्मान।' आगे उन्होंने कहा, 'मैंने कार्थी को फोन किया और 'मेयाझगन' जैसी फिल्म बनाने के लिए उनकी सराहना की। जब भी मैं उस फिल्म के बारे में सोचता हूं, तो मुझे खुशी महसूस होती है।'

एक नजर 'हिट 3' की ओर

हिट 3 में नानी एक गुस्सैल पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जिस कारण इस फिल्म का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में नानी के साथ श्रीनिधि शेट्टी भी नजर आएंगी। हिट फेंचाइजी की पिछले भागों को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया था। 'हिट 3' एक मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

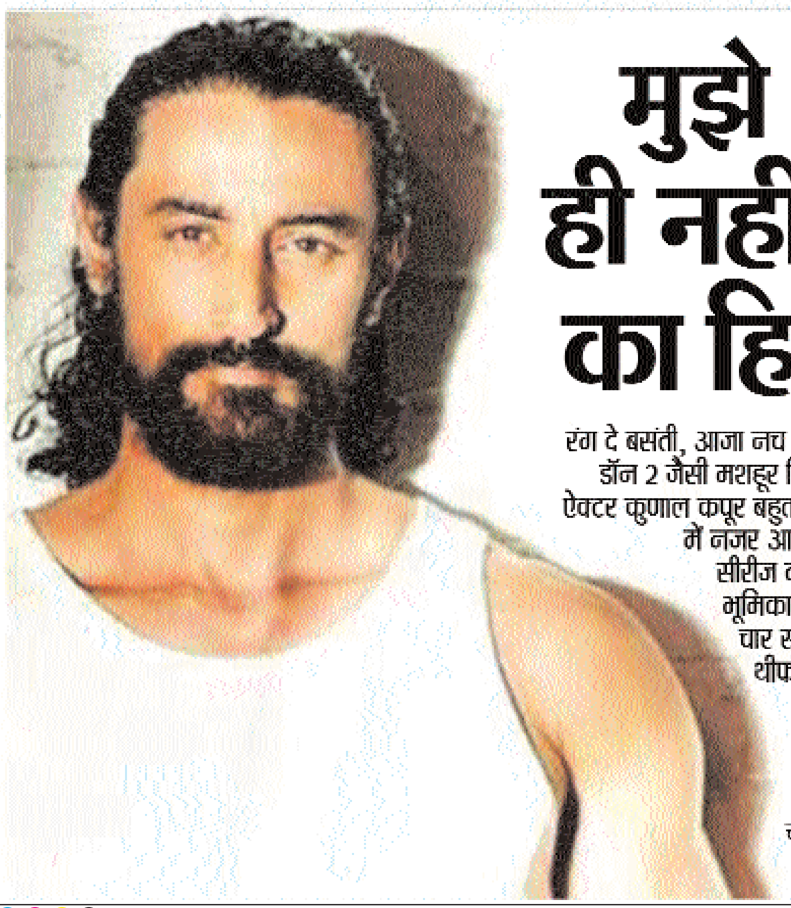

मुझे मन-मुताबिक रोल ही नहीं मिलते, रामायण का हिस्सा होना खास है

रंग दे बसंती, आजा नच ले, बचना ऐ हसीनों, डॉन 2 जैसी मशहूर फिल्मों का हिस्सा रहे ऐक्टर कुणाल कपूर बहुत ही चुनिंदा प्रोजेक्ट्स में नजर आते हैं। पिछली बार वेब सीरीज द एंपायर में बाबर की भूमिका में दिखे कुणाल अब चार साल बाद फिल्म ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिंस को लेकर चर्चा में हैं।

नहीं मिलता मनमाफिक काम

चार साल के बाद स्क्रीन पर वापसी करने को लेकर कुणाल कहते हैं, मैं तो बहुत काम करना चाहता हूं पर उस तरह का काम मिलता नहीं है। अगर मेरा बस चलता तो मैं हर साल दो-तीन बार तो दिखता, लेकिन जिस तरह के काम की मुझे तलाश रहती है, वैसा आता नहीं है। ऐसे में, मेरा मानना है कि ऐसा काम जो आपको पसंद नहीं है, वो करने के बजाय अच्छे काम का इंतजार करना बेहतर है। कभी-कभार ऐसा भी हुआ कि मैं किसी फिल्म के शुरू होने का इंतजार कर रहा हूं, उस चक्कर में कोई और फिल्म नहीं की, पर वो पिक्चर नहीं बनी। कभी कोई फिल्म की, मगर उसे जैसा रिलीज मिलना चाहिए वो नहीं मिला तो लोगों को लगता है कि आपने बहुत काम नहीं किया। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री या फिल्मों से मेरा कनेक्शन टूट गया है। मैं स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहा था। फिल्मों के वर्कशॉप भी करता रहता हूं, तो थोड़े वक्त के बाद दिख रहा हूं, मगर मेरा इंवॉल्वमेंट उतना ही है।

खुद के लिए लिख रहा हूं कहानियां

ऐक्टिंग के साथ लेखन में भी हाथ आजमाने वाले कुणाल कपूर इन दिनों कई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बाकायदा एक राइटर्स रूम भी डेवलप किया है। इसके सोच के बारे में उन्होंने बताया, लिख तो मैं बहुत साल से रहा हूं। जब मैं फिल्म अक्स में असिस्टेंट डायरेक्टर था, तब से लिखता रहा हूं। जब पहली फिल्म लव शव ते चिकन खुराना मैंने समीर और सुमित ने मिलकर लिखी थी, वो हमारे पर्सनल एक्सपीरियंस पर आधारित थी, क्योंकि फिल्मों में जो पंजाब दिखाया जाता है, हमें लगता था कि वैसा पंजाब हमने तो नहीं देखा। हमने जो पंजाब देखा वो बहुत अलग है, तो हम उस पंजाब को लोगों के सामने लाना चाहते थे और उस एक्सपीरियंस में मुझे बहुत मजा आया था, क्योंकि उसमें आप शुरुआत से फिल्म से जुड़े होते हैं। इसलिए, मैंने सोचा कि जो कहानियां मैं लिख चुका हूं, उनको स्क्रिप्ट में डेवलप करके फिल्में बनानी चाहिए। इसलिए, मैंने एक राइटर्स रूम बनाया है, जहां अलग-अलग तरह की स्क्रिप्ट डेवलप की जा रही है। कुछ में मैं ऐक्टिंग करना चाहता हूं, कुछ प्रड्यूस करना चाहता हूं।

13 साल की उम्र में पोस्ट बॉक्स बेचे थे

फिल्म ज्वेल थीफ में करोड़ों के पैसों का खेल चलता है। ऐसे में, हमने कुणाल से उनकी पहली कमाई के बारे में जानना चाहा तो उन्होंने बताया, जब मैं 13-14 साल का था तो मुंबई में एक पहल हुई थी कि हर बिल्डिंग के नीचे एक पोस्ट बॉक्स होगा, क्योंकि जो पोस्टमैन आते हैं, उन बेचारों को बहुत सीढ़ियां चढ़ते हैं। इसलिए, सरकार का ये सुझाव था कि हर फ्लैट के नीचे एक पोस्ट बॉक्स होना चाहिए। तब मैंने एक सोसायटी को पोस्ट बॉक्स बेचे थे। मैं किसी को जानता था जो पोस्ट बॉक्स बनाते थे तो मैंने अपनी गर्मी की छुट्टियों में जाकर एक सोसायटी में करीब 20 पोस्ट बॉक्स बेचे थे और वो मेरी पहली कमाई थी। हालांकि, मुझे याद नहीं कि मैंने कितने पैसे कमाए थे और उनका क्या किया। शायद मैंने अपने डैड को दे दिया था। बता दें कि कुणाल अब भी इंवेस्टमेंट और बिजनेस में काफी सक्रिय हैं। वह ऐक्टर के साथ-साथ प्रशिक्षित पायलट और रैली कार ड्राइवर हैं, तो फंड जुटाने वाले चर्चित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म केटो के को-फाउंडर भी हैं।

रामायण का हिस्सा होना खास

कुणाल आने वाले दिनों में सुपरस्टार चिरंजीवी स्टारर तेलुगु फिल्म विश्वंभरा और नितेश तिवारी की बहुचर्चित फिल्म रामायण में भी नजर आने वाले हैं। इन आने वाले प्रॉजेक्ट के बारे में वह बताते हैं, विश्वंभरा तो जल्द ही रिलीज होने वाली है। वह बहुत ही मजेदार कहानी है और फिल्म में मेरा जैसा रोल है, वह ना तो मैंने पहले किया है और ना ही मुझे आगे करने का मौका मिलेगा, इसलिए मैं उसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। वहीं, रामायण के बारे में ज्यादा बता नहीं सकता, क्योंकि उसमें अभी बहुत वक्त है, लेकिन वह मेरे लिए बहुत खास फिल्म होने वाली है।

स्वास्थ्य

वजन घटाने के लिए नींबू पानी पीते हैं, हो सकता है नुकसान

वजन घटाने के लिए अक्सर जो एक सुझाव ज्यादातर लोग देते हैं वह है- सुबह उठते ही खाली पेट में गुनगुने पानी में नींबू डालकर पीना... हम सब इस नुस्खे से वाकिफ हैं और बहुत से लोग ऐसे हैं जो नींबू-पानी पीने से होने वाले फायदों की तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। ऐसे में अगर आप भी जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन करते हैं तो इससे होने वाले साइड इफेक्ट्स के बारे में जान लें...

सीने में जलन हो सकती है

नींबू, एसिडिक फ्रूट है और अगर इसका ज्यादा सेवन किया जाए, तो इससे सीने में जलन की समस्या हो सकती है। लिहाजा अगर आपको ऐसिड रिफ्लक्स यानी अम्ल प्रतिवाह की समस्या है तो नींबू पानी पीने से बचें।

दांत की परत को नुकसान

नींबू में मौजूद ऐसिड दांत की परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे नेचरल शुगर लेवल में कमी आने लगती है और फिर दांत खराब होने लगते हैं। लिहाजा अगर जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन किया जाए तो इससे दांतों में सेंसिटिविटी और कैविटी की समस्या बढ़ सकती है।

मिचली आने की समस्या

वैसे तो नींबू में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है जो हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लेकिन अगर इसका जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाए, तो यह शरीर के लिए कई तरह से खतरनाक साबित हो सकता है। इससे पेट में ऐंठन पड़ सकते हैं, पेट खराब हो सकता है या मिचली आने की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

बार-बार यूरिनेशन के लिए जाना

नींबू के रस का ज्यादा सेवन करने पर स्वास्थ्य से जुड़ी एक और समस्या हो सकती है और वह है बार बार यूरिनेशन के लिए जाना जिससे डिहाईड्रेशन होने का खतरा रहता है। ऐसे में डिहाईड्रेशन से बचने के लिए आपको पानी पीने की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए।

माइग्रेन के मरीजों के लिए ठीक नहीं

नींबू पानी पीने से कुछ मरीजों में माइग्रेन की समस्या दोबारा शुरू हो सकती है। इसकी वजह यह है कि खट्टे फलों में टाइरामीन होता है जिससे माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है। विटामिन सी शरीर के लिए बेहद जरूरी है लेकिन इसकी मात्रा को कम कर दें।

मुंह के छाले बढ़ सकते हैं

अगर आपको मुंह में छाले हो गए हैं तो नींबू पानी का सेवन न करें। इससे छाले और उनसे जुड़ी तकलीफ और बढ़ सकती है। जिन लोगों को ऐसिडिक फ्रूट से ऐलर्जी है उन्हें भी नींबू पानी का सेवन नहीं करना चाहिए, वरना उनकी ऐलर्जी की समस्या बढ़ सकती है

कुछ बातें, जिनकी वजह से बढ़ने लगती हैं दूरियां

कहते हैं कि बेटा मां का लाडला होता है और पापा का प्यारा लेकिन बेटा अपने पापा से काफी अलग अलग रहता है। शायद उनके बीच की बॉन्डिंग ज्यादा अच्छी नहीं होती। इनकी सोच भी एक-दूसरे से काफी अलग होती है। ऐसे में छोटी-छोटी बातों को लेकर मनमुटाव होना संभव है। बेटे को लगता है कि उसके पापा उससे प्यार नहीं करते है, वहीं दूसरी तरफ बाप को लगता है कि बेटा उसका कहना नहीं मानता। आज हम आपको उन्हीं बातों के बारे में बताएंगे, जिनकी वजह से बाप-बेटे का रिश्ता मजबूत और अच्छा नहीं बन पाता।

अभी तुम बच्चे हो

जब बेटा बड़ा होने लगे और हर बात पापा उसे डांटने लगे या उसे नादान बताने लगता है तो यही बेटे के गुस्सा का कारण बन जाता है और वह पापा से दूरी बना लेता है। ऐसे में बाप बेटे दोनों को समझने की जरूरत है। बाप को समझना चाहिए कि हर बात उन्हीं के हिसाब से नहीं हो सकती।

पिता की रोक-टोक

लड़के जब बड़े हो जाते हैं तो वो किसी की नहीं सुनते। घूमना फिरना तो मानो उनका शौक होता है। ऐसे में बच्चे को हर बात के लिए मना करना या बात बात पर टोकना अच्छा नहीं है। माना की बच्चों को कंट्रोल में रखना जरूरी है लेकिन इतना भी नहीं कि उसके मन में आप ही के लिए नफरत पैदा हो जाए।

तुम्हारे बस का काम नहीं

जब बेटा उस काम को करने का सामर्थ्य रखता भी है लेकिन उसे बार-बार एक ही बात कहना कि यह काम तेरे बस का नहीं है तो उसका बहुत बुरा लगता है। ऐसे में बेटा इसे अपने आत्मसम्मान पर ले लेता है और बाप-बेटे के बीच की दूरियां बढ़ने लगती है।

दोस्तों को लेकर बातें सुनाना

अधिकतर लड़कों को अपने दोस्तों का साथ काफी पसंद होता है। ऐसे में उसके दोस्तों को लेकर सुनाना और उनकी बुराई करने लग जाने से बेटे को बेहद बुरा लगता है। उसको लगने लगता है कि शायद उसका खुद का लिया कोई भी निर्णय ठीक नहीं है।

शैंपू से ज्यादा असरदार हैं ये चीजें

हर कोई चाहता है कि उसके बाल सॉफ्ट और शाइनी हो। इसके लिए लोग महंगे से महंगे शैम्पू (Shampoo) का इस्तेमाल करते है लेकिन पुराने समय में लोग ये शैम्पू नहीं बल्कि घरेलू तरीके अपनाकर अपने बालों की खूबसूरती बनाते थे। लोग काली मिट्टी जैसी चीजों का इस्तेमाल करते थे, जिससे बालों में चमक आती थी। दरअसल, इन चीजों में विटामिन्स और मिनरल्स होते है जिससे त्वचा का पीएच लेवल बैलेंस रहता है। इससे बाल घने और मजबूत होते है।

बालों को धोने के नैचुरल तरीके

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी स्किन और बाल दोनों के लिए फायदेमंद है। इसमें पानी और नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं।

चावल का पानी

जापानी महिलाओं के बाल काफी चमकदार होते है। दरअसल, यह बालों को धोने के लिए चावल के पानी का इस्तेमाल करती हैं। इससे बालों को जड़ों से सफाई होती है और चमक आती है।

काली मिट्टी

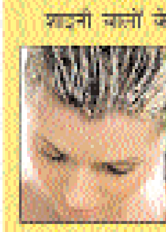

शाइनी बालों के लिए चिकनी काली मिट्टी का इस्तेमाल करें। इसे पानी में मिलाकर बालों में लगाएं। 2 मिनट बाद बालों को धो लें।

आंवला

बालों को शाइनी बनाने के लिए आंवला बेस्ट है। आंवले में रीठा मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं। बाद में बालों को धो लें। इससे बाल झड़ने बंद होंगे।

स्वास्थ्य

हिचकियों से परेशान हैं? ये रहे हिचकी दूर करने के

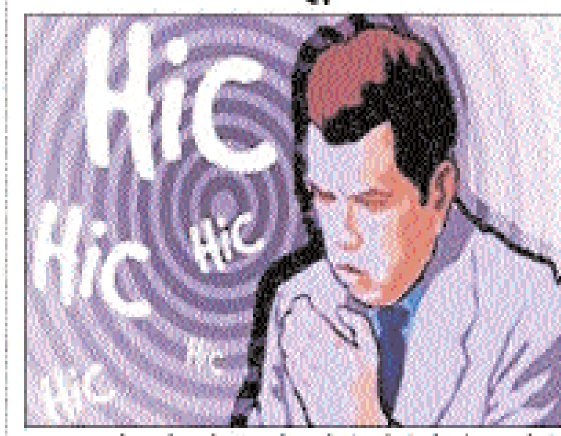

अक्सर ऐसा होता है कि हमें हिचकी आती है और हम कहते हैं कि शायद हमें कोई याद करता है। हिचकी आने पर अमूमन लोग पानी पीते हैं और हिचकियां रुक जाती हैं। लेकिन कभी-कभी हिचकियां लगातार आती रहती हैं और थोड़ी ही देर में यह परेशानी का सबब बन जाती है। ऐसे में सिर्फ पानी आपका साथ नहीं देता। हिचकियों को रोकने के लिए आप अन्य कई चीजों का सहारा ले सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में-

चीनी है मददगार

अगर आपको हिचकियां परेशान कर रही हैं तो उस समय आप एक चम्मच चीनी खाएं। चीनी के दानेदार होने के कारण यह आपकी भोजन नलिका को थोड़ा प्रभावित करती है। ऐसा करने से हिचकियां आना बंद हो जाती हैं, हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

सिरके का प्रयोग

चूंकि सिरका स्वाद में काफी खट्टा होता है, ऐसे में इसका प्रयोग भी आपकी हिचकियों को रोक सकता है। इसके लिए आप एक चम्मच सिरके का सेवन कर लीजिए। यकीन मानिए, आपकी हिचकियां बंद हो जाएंगी। आप चाहें तो सिरके के स्थान पर नींबू की स्लाइस या अचार के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।

पीनट बटर

अगर आप हिचकियों को बंद करने का एक असरदार तरीका खोज रहे हैं तो पीनट बटर आपकी खोज का अंत साबित हो सकता है। जब आप पीनट बटर खाते हैं तो आपको उसे चबाना पड़ता है, जिसके कारण आपको जीभ व दांत का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसा करने पर आपकी श्वसन प्रक्रिया भी बाधित होती है और अंत में हिचकियां आना बंद हो जाता है।

स्वाद शहद का

एक चम्मच शहद को गर्म पानी में मिक्स करें। अब इसे अपनी जीभ के पिछले हिस्से की मदद से निगल जाएं। शहद आपकी वेगस तंत्रिका को गुदगुदी करता है, जिससे आपकी हिचकी स्वतः ही रुक जाती है।

चॉकलेट का प्रयोग

यह तरीका सुनने में जितना मीठा लगता है, इसे इस्तेमाल करने में आपको उतनी ही परेशानी आ सकती है। हिचकियों को रोकने के लिए आप एक चम्मच पाउडर चॉकलेट खाएं। एक चम्मच पाउडर चॉकलेट को निगलना आसान नहीं होता लेकिन यह आपकी हिचकियों को रोकने में काफी असरदार होता है।

हथियार बनेंगे हाथ

आप अपने एक हाथ की हथेली को दूसरे हाथ के अंगूठे की मदद से काफी तेज से दबाएं। यह आपके तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और इससे थोड़ी ही देर में हिचकियां आना बंद हो जाता है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

हिचकियों को रोकने में ब्रीदिंग एक्सरसाइज आपके काफी काम आ सकती है। इसके लिए आप पहले गहरी सांस लें और फिर जितना देर हो सके, उसे रोके रखें। ऐसा करने से आपके फेफड़ों में कार्बन डाईऑक्साइड भर जाएगी और यह आपके डायफ्राम को रिलैक्स करने में मदद करेगी। ऐसा होने पर आपकी हिचकियां भी रुक जाएंगी।

साइकोलॉजिकल तकनीक

कभी कभी आप सिर्फ अपने दिमाग को डिस्ट्रैक्ट करके भी अपनी हिचकियों को रोक सकते हैं। जब आपका ध्यान किसी और चीज में लग जाता है तो हिचकियां खुद-ब-खुद ही रुक जाती हैं। इसके लिए आप अपना मनपसंद गीत लगाएं और उसके गीत खुद तेज-तेज गुनगुनाएं। अगर आप चाहें तो उसकी धुन पर डांस भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एल्फाबेट गेम खेलकर भी अपना ध्यान हिचकियों से हटा सकते हैं।

हड्डियों की मजबूती के लिए जरूर खाएं मशरूम

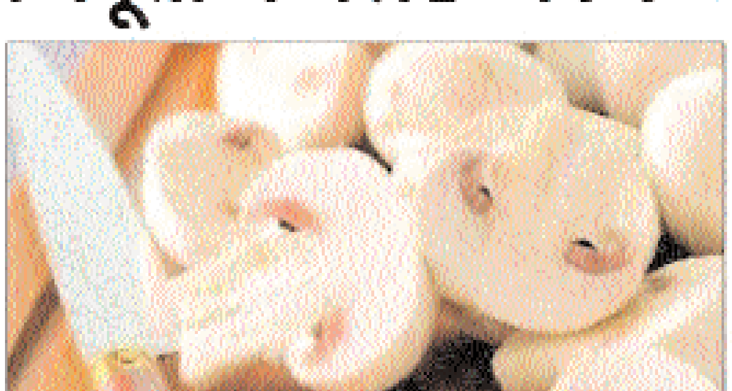

मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिनकी शरीर को बहुत आवश्यकता होती है। साथ ही ये फाइबर का भी एक अच्छा माध्यम है। कई बीमारियों में मशरूम का इस्तेमाल दवाई के तौर पर किया जाता है। इनमें विटामिन बी, डी, पोटैशियम, कॉपर, आयरन और सेलेनियम की पर्याप्त होती है। इसके अलावा मशरूम में कोलिन नाम का एक खास पोषक तत्व पाया जाता है, जो मांसपेशियों की सक्रियता और याददाश्त बरकरार रखने में बेहद फायदेमंद रहता है।

1. मशरूम में एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर होते हैं।

2. मशरूम में मौजूद तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी-जल्दी नहीं होतीं। मशरूम में मौजूद सेलेनियम इम्यून सिस्टम के रिस्पॉन्स को बेहतर करता है।

3. मशरूम विटामिन डी का भी एक बहुत अच्छा माध्यम है। यह विटामिन हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता है। नियमित तौर पर मशरूम खाने पर हमारी आवश्यकता का 20 प्रतिशत विटामिन डी हमें मिल जाता है।

4. मशरूम में बहुत कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जिससे यह वजन और ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ाता।

5. मशरूम में बहुत कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल होता है और इसके सेवन से काफी देर तक भूख नहीं लगती।

6. इसमें वसा, मिनरल और फाइबर की मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से पेट संबंधी रोग और मौसमी बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

इसके अलावा मशरूम को बालों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। वहीं कुछ स्टडीज में मशरूम के सेवन से कैंसर होने की आशंका कम होने की बात तक कही गई है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

विंटर में घर में गर्माहट का अहसास दे सकते हैं ये टिप्स

आपने कितने ही कपड़े क्यों न पहने हों लेकिन अगर आपके घर में गर्माहट नहीं है तो आपको लगातार ठंड लगती रहेगी. ऐसे में हो सकता है कि ठंड आपको अपनी गिरफ्त में ले ले और आप बीमार भी हो जाएं, इस मौसम में अपने घर को गर्म रखने के लिए चमकीले, चटख रंग के कुशन इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं या मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं. इससे आपको भी गर्माहट व सुकून का अहसास होगा.

एटलस इंटीरियो की प्रिंसिपल डिजाइनर अदिति साहनी और इनलिविंग के निदेशक आशीष गुप्ता ने इस सर्दियों में घर में गर्माहट बनाए रखने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं।

चमकीले और आरामदायक, स्लिन्की टेक्सटाइल के इस्तेमाल के लिए सर्दी सबसे उपयुक्त मौसम है. ऊन, फॉक्स फर या मखमल के कुशन को इस्तेमाल में लाएं.

* ठंडे फर्श पर नहीं चलें. फर्श पर रंगीन, खूबसूरत कालीन या दरी बिछाएं, जो न सिर्फ आपके पैरों को गर्म रखेंगे, बल्कि घर की खूबसूरती भी बढ़ाएंगे. आप चाहें तो स्टाइलिश, रंगीन कार्पेट का चयन कर सकती हैं.

* सर्दियों में दीवारों को चटख गर्म रंगों जैसे लाल, पीला, भूरा रंग से पेंट कराएं. इससे आपके घर को नया और स्टाइलिश लुक भी मिलेगा.

* आप चाहें तो कई मोमबत्तियां जलाकर भी घर में गर्माहट बनाए रख सकती हैं. मोमबत्तियां आपको गर्माहट का अहसास दिलाने के साथ रूमानी अहसास भी दिलाएंगी.

रेसिपी

आलू का हलवा

सामग्री

1 कप देसी घी
1 किलो उबले हुए आलू
1 1/2 कप चीनी
1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
8-10 बारीक कटे बादाम
8-10 बारीक कटा पिस्ता
10-12 किशमिश (पानी में भिगी हुई)

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाही में घी डालें और उसे गर्म करें। अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें और कढ़ाही में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। आलू को लगातार हिलाते रहें ताकि वह कढ़ाही के साथ चिपक न जाए। इन्हें तब तक भूनें जब तक आलू का रंग हल्का ब्राउन न हो जाए। अब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छी तरह मिक्स करें।

हलवा जब घी छोड़ने लगे तो इसमें बादाम, पिस्ता और किशमिश डालकर मिक्स करें। आपका आलू का हलवा तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

चावल के पकोड़े

सामग्री

पके हुए चावल 2 कप प्याज 2 अदरक 1 1/2 इंच टुकड़ा ताजे पुदीने के पत्ते 1/4 एक कप बेसन 1/2 आधा कप नमक स्वादानुसार हरी मिर्च बारीक कटा हुआ 4 चाट मसाला 1 छोटा चम्मच

विधि

एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करने रखें। प्याज, अदरक और पुदीने के पत्ते एक चॉपर में काट लें चावल को एक बाउल में लें, उसमें सारे कटे हुए प्याज-अदरक-पुदीने के पत्ते, बेसन, नमक, हरी मिर्चें और चाट मसाला और अच्छी तरह मिला लें इस मिश्रण के मध्यम आकार के बॉल्स बना लें और गरम तेल में डालकर सुनहरा और करारे होने तक तल लें। तेल से निकालकर एब्सॉरबेन्ट पेपर पर रखें। गरमागरम परोसें।

बेमौसम बरसात दे गई गर्मी से राहत

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। पश्चिमी विक्षोभ के चलते बिजौलियां क्षेत्र में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। अचानक मौसम ने पलटा खाया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। तापमान में गिरावट होने से लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की।बिन मौसम बरसात के चलते शादी समारोह वाले परेशान रहे। वहीं नगरपालिका कार्यालय के सामने स्थित नालियों पर लोहे की जालियां नहीं होने से बहते पानी की वजह से नाली नहीं दिखने के कारण दो-तीन बाइक सवार फिसल कर गिर गए। हालांकि बरसात रुकते ही नगरपालिका द्वारा नालियों पर जाली रखवा दी गई।

जल संचय अभियान मे जलाशयों का पूजन

जयपुर टाईम्स

जयपुर(कासं.)। सांगानेर के लांखना ग्राम पंचायत में सोमवार को विकास अधिकारी ज्योती प्रजापति के निर्देश पर सांगानेर पंचायत समिति की समस्त ग्राम पंचायत मे जलशक्ति अभियान के तहत जल संचय जन भागीदारी के लिए जलाशयों का हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित हुआ, ग्राम पंचायत लांखना मे सीतारामपुरा गाँव के तालाब पर ग्रामीण महिलाओं और ने बड़े उत्सुकता से कार्यक्रम में हिस्सा लिया और महिलाओं ने गीतो से साथ जलाशयों का पूजन किया, इस मौके पर , कनिष्ठ सहायक शिल्पा जिदंल , सरपंच मनभर देवी बैरवा , रामदयाल बैरवा , नरेगा श्रमिक आदि की मोजूदगी रही।

सड़क का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा कस्बे के वार्ड एक स्थित आनंदपुरा मोहल्ले में जगदीश पापटाण के घर के सामने बन रही सीसी रोड का सोमवार को मण्डावा राज परिवार के ठाकुर अंगद देव सिंह मंडावा ने पूजा कर और पार्षद राजकुमार सैनी एडवोकेट ने सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत कर सड़क निर्माण कार्य शुर करवाया। इस मौके पर पार्षद इब्राहिम रंगरेज,पार्षद सलामुद्दीन रंगरेज, पूर्व पार्षद शिवचरण गाड़ोदिया, शिवकुमार मारोठिया, मंडावा अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान मौम, कन्हैयालाल बालान, सुनील चोपदार भारत सैनी, सुरेंद्र सैनी,जगदीश पाटन,अयूब खत्री, सुरेश चोपदार, बुधराम बालन ठेकेदार आदि उपस्थित रहे।

देवी कथा में माता के अनेक स्वरूपों के दिव्य दर्शनों का प्रसंग

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव बुकनसर छोटा में सोमवार को आठवें दिन श्रीमद् देवी भागवत कथा में कथावाचक दंडी स्वामी शिवेद्राश्रम जी महाराज ने देवी के महिषासुर पर विजय और उनके दिव्य रूपों का वर्णन किया। देवी के स्वरूप, शक्ति और महिमा को विस्तार से बताते हुए स्तुति गान किया। देवी के दिव्य स्वरूपों का वर्णन किया। जैसे कि उनके स्वरूप और शक्ति की महिमा अष्टमी और नवमी अष्टमी देवी के दिव्य कार्यों का उत्सव है। जबकि नवमी माता के महिषासुर पर विजय का प्रतीक है। अष्टमी को महागौरी के रूप में मनाया जाता है जो देवी का एक रूप है। महाराज श्री ने भारत भूमि की महिमा बताते हुए कहा कि ये भूमि कर्म भूमि है, पवित्र भूमि है, जहां भगवान राम व कृष्ण ने इसी भूमि पर अवतार लिया था। विदेश में तो नहीं हुए क्योंकि वो भूमि भोग भूमि है। जहां भोग है वंहा भगवान नहीं हो सकते। कथा में सत्यनारायण जोशी, ब्रह्मानंद जोशी, हीरा लाल जोशी, अशोक कुमार जोशी, बजरंगलाल जोशी, भवानी सिंह, प्रभु सिंह, रामोतार पारीक, श्री चंद व्यास, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, गजानंद कठोतिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर डीटीओ को प्रताड़ित करने का आरोप

झुंझुनूं में परिवहन अधिकारी के पक्ष में उतरा जांगिड समाज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) मक्खन लाल जांगिड़ को पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की ओर से कथित तौर पर धमकाने, गाली देने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के विरोध में मंगलवार को जांगिड़ समाज एकजुट हो गया। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष राजेश जांगिड़ के नेतृत्व में समाज के सैकड़ों लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पूर्व मंत्री गुढ़ा के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इसी क्रम में समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को भी एक ज्ञापन देकर डीटीओ जांगिड़ को सुरक्षा प्रदान करने और मामले की निष्पक्ष जांच की अपील की।

कार्रवाई से नाराज नेताओं ने किया विरोध

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि डीटीओ मक्खन लाल जांगिड़ मुख्यालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जिले में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ नियमित कार्रवाई कर रहे थे, जिससे सरकार को राजस्व प्राप्त हो रहा था। लेकिन इस कार्रवाई से नाराज कुछ वाहन मालिक और स्थानीय राजनेताओं ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। आरोप है कि इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक राजेंद्र गुढ़ा ने किया। जिन्होंने सार्वजनिक रूप से डीटीओ मक्खन लाल जांगिड़ को अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गालियां दीं, जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया और गंभीर धमकियां दीं।

यह पूरे पूरे समाज का अपमान

जांगिड़ समाज ने पूर्व मंत्री गुढ़ा के इस व्यवहार को न केवल एक ईमानदार सरकारी अधिकारी का अपमान बताया, बल्कि इसे पूरे समाज के लिए अपमानजनक करार दिया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने गुढ़ा पर लगातार अधिकारियों को धमकाने और अपमानित करने का आरोप लगाया। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील सिंघड़ ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ वर्ष 2023 तक ही 26 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इसके बाद भी कई मामले सामने आए हैं। उन्होंने गुढ़ा को उदयपुरवाटी का हिस्ट्रीशीटर बताते हुए कहा कि यदि ऐसी हरकतें किसी आम नागरिक ने की होतीं, तो उसे अब तक जेल में डाल दिया गया होता। सिंघड़ ने सवाल उठाया कि आखिर सरकार और प्रशासन ऐसे लोगों को क्यों संरक्षण दे रहा है।

प्रशासनिक तंत्र पर पड़ेगा बुरा असर

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को इस प्रकार डराया और धमकाया जाएगा, तो इसका सीधा और नकारात्मक प्रभाव पूरे प्रशासनिक तंत्र पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल संबंधित अधिकारी का मनोबल तोड़ेगी, बल्कि सरकार के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। समाज ने राज्य सरकार से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने और राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में कोई भी जनप्रतिनिधि या व्यक्ति कानून से ऊपर उठने की कोशिश न करें। कार्रवाई न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि समय रहते इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो जांगिड़ समाज को मजबूर होकर एक बड़ा आंदोलन शुरू करना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

प्रतिभाओं के सम्मान से आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणाः तहसीलदार

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता की ओर अग्रसर हो रहे छात्रों का सम्मान किए जाने से न केवल उनका उत्साहवर्धन होता है बल्कि अन्य छात्रों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। बच्चों का प्रयास यहीं तक सीमित नहीं होना चाहिए उन्हें सफलता का दौर बरकरार रखना है। यह बात मण्डवा तहसीलदार सुरेन्द्र भास्कर ने रविवार को मुख्य बाजार स्थित श्री युवक - सभा पुस्तकालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। तहसीलदार भास्कर कहा कि आगे मुकाम हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का हौसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात बच्चों ने मेहनत की। इसके लिए आप सभी लक्की हैं। बच्चों की इस जर्नी में सबसे अहम भूमिका अभिभावकों की रही। श्री युवक सभा पुस्तकालय व वाचनालय के अध्यक्ष दिनेश धाभाई ने कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। सफलता उनके कदम चूमेगी। यह संस्थान विगत दो - तीन वर्षो से प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क लाईब्रेरी की व्यवस्था कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अग्रवाल - समाज के भामाशाह रामस्वरूप देवड़ा ने इस मौके पर पुस्तकालय में ग्यारह हजार रूपए देने की घोषणा की है। संघनिष्ठ सज्जनलाल शर्मा, रिद्धकरण

चेजारा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय रामगढ़िया व युवा नेता सुनील सैनी ने मेहमानों माला पहनाकर स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि इस निः शुल्क लाईब्रेरी के अध्यनरत विद्यार्थी रहे क्रमशः रोशनलाल घोलपुरिया, अनूप मौर्य, प्रीतम सैनी, सुनील सैनी, सुनील मौर्य के राजकीय सेवा में चयन होने के उपलक्ष्य में यह प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ है। इस मौके पर अतिथियों ने सभी प्रतिभाओं को माला पहनाकर, प्रतीक चिन्ह व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता संदीप शर्मा, भाजपाध्यक्ष मोहनलाल सैनी, बीएल यादव, प्रमोद देवड़ा, विश्वम्बर मौर्य, एस एन इन्दोरिया, हितेश प्रजापति, चीन्टू सैन, कैलाश पीपलवा, बीएल सैनी, मुकेश बागडी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जितेन्द्र सुरोलिया ने अंत में सभी का आभार जताया।

पीएचसी में व्यवस्थाएं बदहाल, समय पर नहीं आते कर्मचारी, मरीज हो रहे परेशान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। झुंझुनूं जिले के वाहिदपुरा गांव के लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में कर्मचारियों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। गांव वालों का कहना है कि अस्पताल में सुबह 8 बजे ड्यूटी का समय निर्धारित होने के बावजूद अक्सर स्टाफ 10 बजे तक भी नहीं पहुंचता। दूर-दराज से इलाज के लिए आने वाले ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार आपातकालीन स्थिति में भी अस्पताल पहुंचने पर वहां कोई चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं मिलता। रविवार सुबह गांव का एक बुजुर्ग व्यक्ति बीपी की दवा लेने पीएचसी पहुंचा, लेकिन उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी स्टाफ नहीं आया है। इसी तरह गर्दन में तेज दर्द से परेशान महिला सुमन अस्पताल गई थीं, लेकिन वहां ताला लटका मिला और उसे खाली हाथ घर लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार वाहिदपुरा पीएचसी में कुल 6 कर्मचारियों का स्टाफ कार्यरत है, लेकिन उनकी नियमित उपस्थिति एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अस्पताल में उपस्थिति दर्ज करने के लिए लगाई गई बायोमेट्रिक मशीन भी धूल फांक रही है, जिसका उपयोग न होने से कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना मुश्किल हो गया है। इस गंभीर लापरवाही के संबंध में जब पीएचसी प्रभारी डॉ. नवीन चाहर से बात की गई, तो उन्होंने स्वीकार किया कि यह कोई नया मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि पहले भी इस संबंध में सभी कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। डॉ. चाहर ने कहा कि अब एक बार फिर से पूरे स्टाफ को नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है, ताकि अस्पताल में अनुशासन कायम किया जा सके और मरीजों को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा मिल सके। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उनकी मांग है कि स्वास्थ्य केंद्र में सुबह 8 बजे से डॉक्टर और अन्य सभी आवश्यक स्टाफ की उपस्थिति अनिवार्य की जाए। इस पूरे मामले पर जब मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने कहा कि मुझे अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

राजस्थान स्कूल के पूर्व छात्र रवि बिसू का आईएएस बनने पर स्वागत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र रवि बिसू मौजास का यूपीएससी में 438वीं रैंक पर चयन होने पर मंडावा आगमन पर स्कूल निदेशक हरलाल सिंह मोगा, सचिव सुभाष चंद्र का प्रधानाचार्य अशोक मोगा की अगुवाई में राजस्थान स्कूल परिवार की ओर से बिसाऊ चौराहा पर भव्य स्वागत किया गया। आईएएस बनने के बाद पहली बार मण्डावा पहुंचने पर रवि बिसू का स्वागत किया गया। उनकी गाजे बाजे से अगवानी की और घोड़ी पर बैठाकर जुलूस निकाला गया। सम्मान समारोह में रवि ने कहा कि आईएएस में समाज सेवा के व्यापक अवसर है। रवि ने यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में 438वीं रैंक हासिल की है। शिक्षाविद्व मोगा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने रवि का स्वागत किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में आईएएस रवि ने कहा कि कहा कि यूपीएससी की तैयारी समय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान ही वह समाजसेवा में लग गए , जिससे प्रेरणा मिलती फाइनल रिजल्ट में पूरा विश्वास था कि मेरा नाम आ जाएगा,

लेकिन रैंक को लेकर बिल्कुल भी कन्फर्म नहीं थी। कार्यक्रम में मोहर सिंह,महावीर सिंह, विकास कुमार, विजेंद्र सिंह, रोहिताश कुमार, मूलचंद, नदीम खान, पंकज, नरेश कुमार, संजय रॉयल, महेश कुमार, तयूब अली, शंकर सिंह, रामावतार, महिपाल सिंह, अशोक कालेर, अशोक पूनिया, दीनदयाल, मुकेश, शशिकांत, अमित, अजय, विजेंद्र, प्रदीप, ओमवीर, सुभाष चंद्र, नरेंद्र सिंह, पल्लवी, हेमलता, अनीता, निशा, मनोज, प्रियंका, ज्योति, मनोज, सुमित्रा, निर्मला, सुनीता, पंकज, सुनीता, संदीप जांगिड़, सुनीता, अजय, शैलेश ऋषिका सहित सैकडों लोग मौजूद रहे।

CHANGE NAME

Have Changed My Name From Likhami Chand To Likhama Ram For All Purposes R/O Vp Loonchh Po: Lunchh Ratangarh Churu Raj

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सा0नि0वि0 वृत चूरू

क्रमाक- 139 दिनांक-22.04.2025

ई - निविदा सूचना संख्या 02 / 2025-26

इच्छुक निविदादाताओं से जिला चूरू में सडक निर्माण व अण्डर ब्रिज का कार्य (मय पाँच वर्ष के दोष निवारण व सुधार अवधि) कार्य हेतु अनुमानित लागत राशि रू0 1002.00 लाख की ई - निविदा आमन्त्रित की जाती है। कार्य के निविदा प्रपत्र दिनांक 22.05.2025 सांय 6.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड करना आवश्यक होगा। उक्त निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार के प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, http:// eproc. rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http:// pwd.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

NIB No. - PWD2526A0227

S.No.	UBN NO.	S.No.	UBN NO.
1.	PWD2526WSOB00692	2.	PWD2526WSOB00693
3	PWD2526WSOB00694	4	PWD2526WLOB00696

DIPR/C/5669/2025

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि वृत चूरू

कार्यालय ग्राम पंचायत बिहारीपुर
पं.स. पाटन (सीकर)

क्रमांक- ग्रापं / 2025 / दिनांक- 05.05.2025

ई-निविदा/खुली बोली सूचना /02/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00019

विकास अधिकारी
ग्रा.पं. बिहारीपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मोठूका
पं.स. पाटन (सीकर)

क्रमांक- ग्रापं / 2025 / 37 दिनांक- 05.05.2025

ई-निविदा/ खुली बोली सूचना /02 /2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp. rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है ।

UBN No. PKP2526WSRC00021

विकास अधिकारी
ग्रा.पं. मोठूका

कार्यालय ग्राम पंचायत हसामपुर
पं.स. पाटन (सीकर)

क्रमांक- ग्रापं / 2025 / 29 दिनांक- 05.05.2025

ई-निविदा / खुली बोली सूचना /01/2025-26

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2025-26 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पचायतीराज विभाग (अनुभाग - 5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 14.05.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली / ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https:// sppp. rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2526WSRC00020

विकास अधिकारी
ग्रा.पं. हसामपुर

सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। डूंगरास आथुना गांव के पास दो मोटरसाइकिल भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। उधर से गुजर रहे टीम हारे का सहारा के कुलदीप सिंह राठौड़ ने घायलों को भागीरथ और साँवरमल के साथ निजी गाड़ी में सुजानगढ़ अस्पताल रवाना किया। अस्पताल में टीम संयोजक श्याम स्वर्णकार ने तीनो को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया और डॉ रामरतन बिस्सू, राजकुमार, सोमवीर आदि ने इलाज शुरू किया। जानकारी के अनुसार एक मोटरसाइकिल सवार कानाराम, रावतराम निवासी ढाणी कालेरा के साथ डूंगरास आ रहे थे। दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार रामनिवास निवासी डूंगरास आथुना अपने गांव से सुजानगढ़ आ रहा था, तो अचानक दोनों मोटरसाइकिल की जबरदस्त भिड़ंत हो गई।

नुक्कड़ मीटिंग कर मजदूरों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू के मार्गदर्शन में स्थानीय तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से विश्व मजदूर दिवस सप्ताह के तहत असंगठित कामगार वर्ग के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत सोमवार को घण्टाघर के पास मजदूरों की नुक्कड़ मीटिंग आयोजित की गई। पी एल वी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि राज्य स्तरीय एक्शन प्लान मई 2025 के विषय अनौपचारिक कार्यबल को सशक्त बनाना चुनौतियां, अधिकार और प्रगति का मार्ग के अनुसार कामगारों से चर्चा की गई। पैरा लीगल वॉलंटियर विजयपाल श्योराण ने उन्हें ई श्रमिक कार्ड, मजदूर कार्ड बनवाने की जानकारी विस्तार से दी और उन को मिल सकने वाले विभिन्न फायदों के बारे में बताया। विजय पाल ने कहा कि श्रम विभाग की योजनाओं का फायदा लेने का हर मजदूर को अधिकार है। सबसे पहले मजदूर कार्ड बनवाना जरूरी है। नुक्कड़ मीटिंग में लिलाधर माली, श्रवण, संतोष प्रजापत, राजकुमार, बाबूलाल, गिरधारी लाल, कन्हैया लाल, बजरंग, देबुराम सहित अनेक मजदूर उपस्थित रहे।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र की ओर से नगरपरिषद सभागार में औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर का आयोजन किया गया। जिला उद्योग व वाणिज्य अधिकारी फिरोज भाटी की ओर से शिविर में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, डॉ.भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, एक जिला एक उत्पाद पॉलिसी, राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना की जानकारी दी गई। शिविर में डॉ.भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत मौके पर ही आवेदन तैयार करवाए गए। जिला उद्योग केन्द्र के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी नानकराम, वरिष्ठ सहायक रोहित चौहान ने शिविर में आवेदकों का सहयोग किया। शिविर में पूर्व सभापति बाबूलाल कुलदीप, विरेन्द्र सैन, अजय ढ़ेनवाल, प्रदेश सियोता, केशव खत्री मौजूद रहे।

नहरबंदी व ग्रीष्म ऋतु के दौरान प्राइवेट टैंकरों से जलापूर्ति की दरें निर्धारित

अधिक राशि वसूलने पर करें शिकायत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर नहरबंदी व ग्रीष्म ऋतु के दौरान प्राइवेट टैंकरों की ओर से जलापूर्ति की दरें निर्धारित की हैं। प्राइवेट टैंकर मालिक की ओर से निर्धारित दरों से अधिक राशि वसूलने पर आमजन शिकायत कर सकते हैं। पीएचईडी एसई चुन्नीलाल ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु -2025 के लिए शहरी क्षेत्र में 10 किमी की दूरी तक 5000 लीटर टैंकर की 511 रुपए व 10000 लीटर टैंकर की 790 रुपए दर निर्धारित की गई है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 10 किमी की दूरी तक 5000 लीटर टैंकर की 530 रुपए व 10 किमी से अधिक होने पर 48 रुपए प्रति किमी और 10000 लीटर टैंकर की 750 रुपए व 10 किमी से अधिक होने पर 60 रुपए प्रतिकिमी की दर निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि यह दरें चूरू शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई हैं। यदि कोई प्राइवेट टैंकर मालिक निर्धारित राशि से अधिक राशि वसूल करता है, तो आमजन उसकी शिकायत जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय दूरभाष नंबर 01562-250950 और पीएचईडी नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 01562- 250343 पर कर सकते हैं। शिकायतकर्ता टैंकर के नंबर आदि जानकारी बताएं ताकि शिकायत का सत्यापन हो सके। पीएचईडी व जिला परिवहन अधिकारी की ओर से शिकायत की जांच कर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

चांडक रोड़ और पांड्या धर्मशाला के पीछे लगा है कूड़े का अंबार

सुजानगढ़(नि.सं.)। नयाबास मोहल्ले की चांडक रोड एवं पांड्या धर्मशाला के पीछे सफाई के अभाव में कूड़े का अंबार लगा हुआ है। जानकारी के अनुसार चांडक रोड़ व पांडया धर्मशाला के पीछे नियमित सफाई नही होने के कारण पूरी सडक़ पर जगह-जगह कूड़ा बिखरा रहता है तथा पास में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसकी निर्माण सामग्री सडक़ पर रहने से रास्ता भी प्राय अवरूद्ध रहता है। यहां पर वाहन चालकों की ओर से अपनी गाडियां भी बेतरतीब तरीके से खड़ी करने से आवागमन बाधित होता है। इस मार्ग पर पांड्या धर्मशाला, माहेश्वरी भवन, त्रिशला स्कूल, जैन चैतालय व मंदिर स्थित है।

राजकीय उपजिला अस्पताल में मरीजों के लिए मुख्यमंत्री योजना बन रही हैं संजीवनी

25 वर्षीय महिला के थायराइड की गांठ का सफल ऑपरेशन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उपजिला अस्पताल में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना से न सिर्फ मरीजों का निशुल्क इलाज हो रहा है बल्कि इस योजना के तहत बड़े-बड़े ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इएनटी रोग विशेषज्ञ वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ लोकेंद्र सिंह राठौड़ ने सरदारशहर के वार्ड 51 निवासी महिला 25 वर्षीय शमा परवीन की थायराइड की गांठ का सफल ऑपरेशन किया हैं। ऑपरेशन के बाद शमा परवीन पूरी तरह से स्वस्थ है और खुश भी है। क्योंकि राजकीय उपजिला अस्पताल में हुए इस ऑपरेशन के कारण उन्हें कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ा है। ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क हुआ है और तो और राजकीय उपजिला अस्पताल में शमा परवीन के ना तो जांच के पैसे लगे और ना ही दवाइयों के पैसे लगे। क्योंकि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत जांच की सुविधा भी निशुल्क है और दवाइयां भी पूरी तरह से निशुल्क उपलब्ध करवाई गई है। डॉ लोकेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि 25 वर्षीय मरीज शमा परवीन पिछले कई महीनों से थायराइड की गांठ से परेशान थी। जिसके लिए सभी जरूरी जांच करवाने के बाद परिजनों की सहमति से थायराइड की गांठ का ऑपरेशन किया गया। डॉ ने बताया कि महिला मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ है और इस ऑपरेशन के दौरान महिला मरीज के परिजनों को एक भी रुपए नहीं देना पड़ा है। क्योंकि यह इलाज पूरी तरह से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क हुआ है। ऑपरेशन अगर किसी प्राइवेट अस्पताल में करवाया जाता तो इसका खर्च 70 से 80 हजार रुपया आता है।मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना मरीजों के लिए बहुत वरदान साबित हो रही हैं। इस योजना का जरूरतमंदों को ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना चाहिए। लाभार्थी महिला मरीज शमा परवीन के छोटे भाई सफीक ने बताया कि मेरी दीदी के पिछले 6 महीने से गले में थायराइड की गांठ थी। उन्होंने कहा था कि हमें विश्वास नहीं था कि राजकीय उपजिला अस्पताल में इस तरह से इलाज होता है तो हमने पहले सीकर जयपुर जैसे बड़े शहरों में डॉक्टरों को दिखाया। फिर हमें पता चला कि सरदारशहर के राजकीय उपजिला अस्पताल में इस तरह का ऑपरेशन मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के तहत पूरी तरह से निशुल्क होता है। तब हमने राजकीय उपजिला अस्पताल के डॉ लोकेंद्रसिंह से मेरी दीदी के थायराइड की गांठ का ऑपरेशन करवाया है। उन्होंने कहा कि मेरी दीदी एकदम पूरी तरह से स्वस्थ है और हमारा यह ऑपरेशन पूरी तरह से निशुल्क हुआ है। महिला मरीज शमा परवीन ने बताया कि पिछले 6 महीने से वह थायराइड की गांठ के चलते परेशान थी। लेकिन अब ऑपरेशन के बाद वह पूरी तरह से स्वस्थ है और उनका बहुत अच्छी तरह से इलाज हुआ है। राजकीय उप जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ चंद्रभान जांगिड़ ने बताया कि महिला मरीज के गले में थायराइड की गांठ होने की वजह से महिला मरीज को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। प्रभारी ने बताया कि अस्पताल के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ लोकेंद्रसिंह ने थायराइड की गांठ का सफल ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क किया है। शहर के समाजसेवी दिलीप सिसोदिया ने बताया कि पिछले कुछ समय से राजकीय उपजिला अस्पताल में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत बड़े-बड़े ऑपरेशन निशुल्क किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की यह योजना मरीजों के लिए लाभदायक साबित हो रही है। वहीं इस ऑपरेशन को करने में ईएनटी विशेषज्ञ डॉ लोकेंद्र सिंह राठौड़ के साथ ईएनटी डॉ पवन शर्मा, निश्चेतन विभाग से डॉ कमलेश भारतीय, ऑपरेशन थिएटर के इंचार्ज ओमप्रकाश वर्मा, दौलतराम सुंडा पंकज सोनी, मंजू मिल और वार्ड बॉय नदीम का सफल ऑपरेशन में सहयोग रहा हैं। बता दें कि राजकीय उप जिला अस्पताल में कान, नाक, गला व मुख के ईएनटी के डॉक्टरों की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क सेवा दी जा रही है। जिसमें अनेक लाभार्थी सेवा का लाभ उठा रहे हैं। जयपुर व बीकानेर जाने से बेहतर राजकीय उपजिला अस्पताल में अच्छे डॉक्टरों की ओर से निशुल्क मरीज का उपचार किया जा रहा है।

राजासर बीकान टोल प्लाजा की बड़ी लापरवाही

खेत में खड़ी पिकअप का काटा टोल, हाथ जोड़ मांगी माफी, बोले : गलती से कट गया टोल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के लूणकरणसर जाने वाली मुख्य सड़क पर राजासर बीकान के पास स्थित टोल प्लाजा की ओर से बड़ी लापरवाही करते हुए भादासर उताराधा के सोहनलाल जाखड़ की पिकअप का सुबह 7 बजे 50 रूपए फास्टटेक से टोल टैक्स काट लिया। जब सोहनलाल के पास मैसेज फोन में आया तो उनके पुत्र को दिखाया तब पता चला कि अभी अपनी गाड़ी का टोल राजासर बीकान टोल प्लाजा की ओर से 50 रूपए काटे गए है। जबकि गाड़ी उनके खेत में खड़ी थी। इस बात का अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील अध्यक्ष भगवानाराम जाखड़ को सोहनलाल ने आपबीती बताई तो राजासर बीकान के ग्रामीणों को लेकर टोल प्लाजा पर पहुंचकर कहा कि हमारी गाड़ी यहां इस टोल से होकर गई ही नहीं इसके बाद भी आपने कैसे टोल टैक्स के नाम पर 50 रूपए काट लिए तब टोल प्लाजा के जिम्मेदार कर्मचारियों ने कहा कि गलती हो गई आगे से नहीं होगी जो आपके 50 रूपए काटे गए है वो आपको रिफंड कर दिया जाएगा। इस दौरान सोहनलाल जाखड़ ने कहा कि अगर इस सड़क पर कोई बड़ी घटना हो जाए तब पुलिस गाड़ी के टोल टैक्स कटने के आधार पर हमारे को नाजायज मुल्जिम बना सकती है। उन्होने कहा कि 50 रूपए मायने नहीं रहते है। लेकिन हम आपको गलती स्वीकार करवाने के लिए 25 किलोमीटर दूरी से गाड़ी लेकर आए है। ताकि आपको अवगत करवाया है ताकि अन्य लोगों की जेब पर इस तरीके से गलत भार नहीं पड़े। इस दौरान टोल कर्मियों ने गलती मानते हुए सोहनलाल जाखड़ को 50 रूपए वापस नकद दिया गया। वहीं पर उपस्थित लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इसी तरीके से दुबारा इस तरह की गलती की तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

संविधान बचाओ रैली 11 को, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ संविधान बचाओ, रैली 11मई को सुबह 10 बजे जयपुर रोड पर होगी। रैली को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ओर वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।इसी को लेकर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने ग्रामीण क्षेत्र का दौरा किया। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि रफ़िक मंडेलिया ने रैली को सफल बनाने के लिए गांव पीथींसर, खींवासर, चंदेल नगर जोड़ी, ढाणी, रामपुरा बास सहजूसर आदि में जनसंपर्क कर रैली में आने का आग्रह किया। दौरों में देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, शहर कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, गोविंद महानसरिया, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आडूराम न्यौल, प्यारेलाल दानोदिया, योगेश ढाका,अमित चौधरी,मोहम्मद हुसैन निर्वाण, जिला कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष नारायणन बालान, पूर्व सरपंच जंगशेर खान, आरिफ़ पीथीसर, संजय भाटी, पार्षद विमल शर्मा, श्रवण बसेर, किशनाराम बाबल, नुमान सैय्यद, तौफीक खान, शाहरुख खान, अज़ीज़ खान, समीउल्लाह गोरी, हरीराम पुनिया, जाफ़र खान , नाजम अली खान, आदि साथ रहे।

एकदिवसीय कैम्पस प्लैसमेंट शिविर 8 मई को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। रोजगार सेवा निदेशालय राजस्थान, जयपुर और जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय की ओर से बेरोजगार युवाओं के लिए 08 मई को सवेरे 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में एकदिवसीय कैम्पस प्लैसमेंट शिविर आयोजित किया जाएगा। रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू ने बताया कि शिविर में राज्य के बीटेक, पॉलीटेक्निक, आईटीआई आदि तकनीकी योग्यता प्राप्त शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को लार्सन एण्ड टूब्रो निर्माण कम्पनी, अंबुजा फाउंडेशन, रिलायबल फर्स्ट एडकॉन प्रा.लि., फलेक्सजो प्रा.लि., बीमा क्षेत्र की महिन्द्रा कम्पनी, सीआईआई एमसीसी, स्टैंजा लिविंग, मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, अशोक लेलैंड, फुरूकावा मिंडा इलेक्ट्रिक प्रा.लि., एलआईसी इत्यादि निजी क्षेत्र की कम्पनियों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। कम्पनियों की ओर से साक्षात्कार के माध्यम से लगभग 1000 रिक्त पदों के विरूद्ध बेरोजगार आशार्थियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त स्वरोजगार, ऋण योजना और विभागों की ओर से संचालित योजनाओं के बारे में जिला उद्योग केन्द्र, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, आरएसएलडीसी विभाग, अनुजा निगम आदि राजकीय विभागों की ओर से मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

फौजी चुन्नीलाल सहारण की स्मृति में रक्तदान शिविर

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजकीय डीबी अस्पताल में सोमवार को फौजी चुन्नीलाल सहारण की तीसरी पुण्यतिथि पर विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। फौजी ब्लड ग्रुप की ओर से आयोजित इस शिविर में विधायक हरलाल सहारण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक सहारण ने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। यह सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने बताया कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और यह केवल मानव शरीर में ही बनता है। फौजी ब्लड ग्रुप के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि वे पिछले तीन वर्षों से रक्तदान शिविर आयोजित कर रहे हैं। साथ ही लाइव डोनर को भी रक्तदान की सुविधा प्रदान करते हैं। शिविर में सर्व समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान करने वाले सभी युवाओं को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। विधायक ने समय-समय पर इस तरह के शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे ब्लड बैंक में रक्त की कमी नहीं होगी।

जिला कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

गर्मियों में हो सुचारू पेयजल आपूर्ति, आमजन की शिकायतों का हो त्वरित निस्तारण - सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक सेवाओं की चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि गर्मियों में सुचारू पेयजल आपूर्ति हो और आमजन से शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित निस्तारण हो। पीएचईडी के अधिकारी, कर्मचारी मुस्तैद रहें और आमजन को बेहतरीन सेवाओं का लाभ दें। कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों को तुरंत एड्रेस करते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। सभी उपखंड अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी व विकास अधिकारी अपने संबंधित क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें और किसी भी माध्यम से शिकायत प्राप्त होने पर यथाशीघ्र निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान करें। उन्होंने कहा कि गर्मियों के दौरान आपातकालीन रूप में स्वीकृत कार्यों को 15 मई से पहले पूरें करें। इन कार्यों की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करें ताकि आमजन को अच्छी सुविधाएं मिल सकें। सुराणा ने कहा कि ऑनलाइन विभाजन, सीमाज्ञान व नामांतकरण के आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। इसी के साथ बजट घोषणाओं में भू-आवंटन के प्रकरणों को यथाशीघ्र निपटाएं। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान को लेकर निर्देश दिए कि मिशन मोड में काम करते हुए अपेक्षित कार्रवाई करें और साप्ताहिक रूप से विशेष दिन आदि निर्धारित करते हुए रास्ता खोलने के प्रकरणों को निस्तारित करें। उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारियों से कहा कि स्वामित्व योजना प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजना में सम्मिलित है। स्वामित्व योजना अंतर्गत नियमित रूप से प्रॉपर्टी पार्सल वितरण करें। इसी के साथ महानरेगा में कार्य स्वीकृत करवाएं। उन्होंने कहा कि बजट में शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों के संरक्षण की घोषणा की गई है। इसलिए ग्रामीण विकास व नगर निकाय अधिकारी अपने क्षेत्र में अवस्थित हैरिटेज हवेलियों की जानकारी भिजवाएं। सुराणा ने सभी विभागीय अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करें। सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि अनावश्यक पेंडेंसी न रहे। इसी के साथ राजकाज पर पेंडिंग फाइलों को निस्तारित करें। उन्होंने लंबित कार्यों को पूरा करवाने, चूरू 311 एप्प का समुचित प्रचार-प्रसार करने, पीएम आवास योजना में दूसरी व तीसरी किश्त जारी करवाने, बजट घोषणाओं में भू-आवंटन और सीएम, सीएस कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों को लेकर, केपीआई समुचित निर्देश दिए। एडीएम अर्पिता सोनी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना में भौतिक सत्यापन व जल शक्ति अभियान अंतर्गत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान डीएफओ वीरेन्द्र कृष्णिया, एसीईओ दुर्गा ढाका, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, डीएसओ साक्षी पुरी, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ मदनलाल गहनोलिया, पीएचईडी एसई चुन्नीलाल, डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, सीपीओ भागचंद खारिया, रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू, एक्सईएन हरिराम माहिच, एसबीएम जिला समन्वयक श्यामलाल शर्मा, एलडीएम अमरसिंह, डिस्कॉम एक्सईएन अनिल पूनिया सहित वीसी के जरिए सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।